www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
5 सितम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 122 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

ब्रज में छाया उल्लास...मथुरा में नंदोत्सव की धूम

● देश भर में जन्माष्टमी की धूम,भक्तों पर लुटाए उपहार ● नंदभवन में गूंजी बधाइयां, अवतरित हुए नंद के नंदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव जोरदार तरीके से मनाया गया। मथुरा-वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका तक जन्माष्टमी की धूम रही। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर,दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती हुई। काशी के इस्कॉन मंदिर में श्रद्धालुओं की 1 किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही। अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर खास तैयारियां की गई थीं। इस बार 300 ड्रोन के जरिए भगवान कृष्ण की दो-तीन लीलाएं दिखाई गईं। इसके अलावा मंदिर में 5 मिनट का 7डी शो हर आधे घंटे में दिखाया गया। इसमें लाइट और साउंड इफेक्ट के साथ बारिश का अनुभव भी कराया गया। वहीं, बिहार के पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर 108 चांदी के कलश से भगवान कृष्ण का अभिषेक किया गया। मंदिर की सजावट के लिए बेंगलुरु, पुणे और कोलकाता समेत विदेशों से अलग-अलग तरह के करीब 8 टन फूल मंगाए गए थे। सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में 150 से ज्यादा कैमरों से निगरानी की जा रही थी।

मथुरा के नंदगांव में जायौ जसोदा जलेबी

सी रानी ने, आज खड़ी सी रात में लड्डुआ सौ लाला, ऐसे मधुर पदों की गूंज और समाज गायन की स्वर लहरियों के बीच रविवार को नंदगांव के नंदभवन में नंदलाल का जन्मोत्सव उल्लास और आस्था के साथ मनाया गया। नंदबाबा के नाम से बसे नंदगांव में विशेष परंपरा (खुर गिनती) के अनुसार, रक्षा बंधन के ठीक आठ दिन बाद जन्माष्टमी मनाई जाती है। दोपहर से ही नंदभवन में गोस्वामीवृंदों ने अष्टछाप के कवियों की वाणियों का गायन किया, जो तीन घंटे से अधिक समय तक चला।

घास काटने गई देवरानी—जेठानी पर भालू का हमला, दोनों की मौत

चमोली, पोखरी विकासखंड में भालू के हमले के दौरान चट्टान से गिरने से देवरानी और जेठानी की मौत हो गई। दोनों महिलाओं की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। चमोली जिले के विकासखंड पोखरी में ग्राम पंचायत नैल के सिदेली गांव की देवरानी लक्ष्मी देवी (42) पत्नी गजेंद्र नेगी और जेठानी विमला देवी (55) पत्नी चंद्रशेखर सुबह करीब आठ बजे घास लेने घर के पास जंगल गई थीं। घर से करीब 200 मीटर आगे पहुंचते ही भालू ने दोनों पर हमला कर दिया। इसी दौरान दोनों खड़ी चट्टान से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। चीख पुकार सुनकर परिजन व अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। दोनों को तुरंत सीएचसी पोखरी पहुंचाया।

तहसीलदार रामकिशोर ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने विमला देवी को मृत घोषित कर दिया, वहीं गंभीर रूप से घायल लक्ष्मी देवी को प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया लेकिन श्रीनगर के पास पहुंचते ही लक्ष्मी देवी ने भी दम तोड़ दिया। उधर, भालू के हमले की सूचना पर डीएफओ रजत सुमन, एसडीओ सोहन सिंह नेगी, वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसाईं सहित वन विभाग की टीम गांव पहुंची। उन्होंने घटना के बारे में लोगों से जानकारी ली। घटनास्थल पहुंचकर निरीक्षण भी किया। घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने अफसरों से उचित मुआवजा और भालू से निजात दिलाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

मिथुन चक्रवर्ती बने सरकार के सांस्कृतिक सलाहकार

कोलकाता (एजेंसी)। बॉलीवुड और बांग्ला फिल्मों के स्टार मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल सरकार के नए सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को न्यू टाउन में उत्तम कुमार फिल्म सेंटर की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में यह घोषणा की। यह कार्यक्रम मशहूर एक्टर उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी मनाने के लिए आयोजित किया गया था। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती को बंगाल सरकार पहले ही उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी समारोह के लिए बनाई गई एक विशेष उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति का सह-संरक्षक बनाया गया है। उनके साथ संस्कृति राज्य मंत्री पूर्णिमा चक्रवर्ती सह-संरक्षक के तौर पर शामिल हैं। **बंगाल में बनने वाली फिल्मों को मिलेगी 30 प्रतिशत सब्सिडी-** राज्य के सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त होने पर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल में शूटिंग करने वाली फिल्मों के लिए टैक्स में 30 प्रतिशत सब्सिडी का अनुरोध किया। जिसे सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तुरंत मंजूर कर लिया। बंगाल भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करता था।

72 घंटे से पहले ही स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरेच जनता पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली में संसद मार्ग थाने पर धरना दिया है। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और निशु के लिए न्याय की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद भी सीजेपी के समर्थन में पहुंचे हैं। सीजेपी की निशु आजाद के वकील, सीजेपी लॉ डिपार्टमेंट के ऋषभ रंजन ने बताया कि आज पुलिस के साथ मीटिंग हुई। मीटिंग में एडिशनल एसपी मंजीत शर्मा की मौजूदगी में हमने मौजूदा एफआईआर में हत्या की कोशिश, क्रिमिनल धमकी और एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की हैं। ऋषव रंजन के अनुसार, पुलिस हमारी मांग के लिए मान गई है। हमने मांग की है कि निशु को दी जा रही ऑनलाइन धमकियों के खिलाफ एक अलग एफआईआर दर्ज की जाए। दिल्ली पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि वे उसे (स्वतंत्र भारद्वाज) को 72 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर सकते हैं। हालांकि पहले ही पकड़ लिया।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर पोल से टकराया इंडिगो प्लेन

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो का विमान 6ई 225 पार्किंग के दौरान खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना करीब सुबह 9 बजे बे नंबर-6 पर विमान को पार्क करते समय हुई। विमान में सवार सभी 200 यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद यात्रियों और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों की मदद से विमान से सुरक्षित उतारा गया। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और सभी फ्लाइट्स निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं। विमान जिस खंभे से टकराया, वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम विमान को पार्किंग बे में सही जगह लाने में मदद करता है।

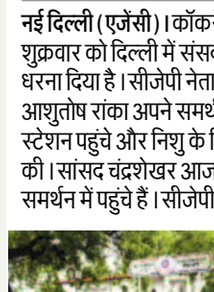

उफान पर नदियां हर ओर 'जल' जला

● यूपी में 23 जिलों में बाढ़,16 हजार का रेस्क्यू ● एमपी में मंदाकिनी-नर्मदा उफान पर,संकट बढ़ा

● बिहार में 5 लाख प्रभावित,हिमाचल में हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है, ताकि नालों के जरिए शहर में पानी न घुसे। मध्य प्रदेश में मंदाकिनी और नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, छतरपुर, सतना, मंडला, मैहर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। छतरपुर के कुटनी और जबलपुर के बरगी बांध से पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 266 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 158 मौतें सड़क हादसों, 18 लैंडस्लाइड, 13 डूबने और एक मौत फ्लैश फ्लड के कारण हुई है। वहीं, अन्य मौतें अलग-अलग कारणों से हुई हैं।

बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 14 ट्रेनें रद्द

पश्चिम बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 4 सितंबर को रवाना होने वाली 14 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इनमें हावड़ा-गुवाहाटी सारईघाट एक्सप्रेस, सियालदह-बामनहाट उत्तरबंगा एक्सप्रेस, सियालदह-अलीपुरद्वार कंचनकन्या एक्सप्रेस, सियालदह-सहरसा हाटे बाजार एक्सप्रेस, दार्जिलिंग मेल, हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जांचने की अपील की है।

बिहार के कटिहार में नाव से स्कूल पहुंच रहे छात्र

बिहार के कटिहार में गंगा, कोसी और बरंडी नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के कारण निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इससे प्रतापगंज स्थित मध्य विद्यालय चारों तरफ से पानी से घिर गया है। बाढ़ के पानी के बीच बच्चे रोजाना नाव से स्कूल पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मेहरबान सिंह का पुरवा, गोपालपुर और मर्दनपुर गांवों में पांडव नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से दर्जनों घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पानी बढ़ने के चलते स्थानीय लोग अपना सामान सुरक्षित जगहों पर ले जा रहे हैं।

36 हजार किमी से तस्वीरें लेने वाला सैटेलाइट लॉन्च

पाकिस्तान-चीन पर लगातार रखेगा नजर,आपदा से पहले अलर्ट में मदद करेगा

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा। इससे आपदा की स्थिति का जल्दी पता लगाने और समय पर चेतावनी देने में मदद मिलेगी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि संगठन का इस साल छह और मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य है। करीब आठ महीने बाद इसरो का यह पहला लॉन्च है। इससे पहले जनवरी 2026 और मार्च 2025 में उसके दो मिशन सफल नहीं हो पाए थे।

दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी

ईओएस-05 में दो मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर यानी ऐसे कैमरे लगे हैं, जो धरती की तस्वीरें अलग-अलग तरह की प्रकाश तरंगों में लेते हैं। इससे सामान्य तस्वीर के अलावा जमीन, पेड़-पौधों, पानी और पर्यावरण में हो रहे बदलावों की जानकारी मिल सकती है। इनमें से एक इमेजर की रिजॉल्यूशन 42 मीटर प्रति पिक्सल है, यानी तस्वीर का एक पिक्सल जमीन के करीब 42-42 मीटर हिस्से की जानकारी देता है। 36 हजार किमी की ऊंचाई से बड़े इलाके की बार-बार तस्वीरें लेना है।

ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा ईएसओ-05

जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम की 19वीं उड़ान थी। ईओएस-05 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड पैड से लॉन्च किया। ईओएस-05 लॉन्च के करीब 18 मिनट बाद सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा दिया गया। इसके बाद सैटेलाइट को 36000 किमी पर मौजूद अपनी कक्षा तक पहुंचना है।

उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा

● मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को वक्फ बोर्ड का फैसला मानना जरूरी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा जारी किया जाएगा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद ये फैसला लिया है। बोर्ड अब नया निकाहनामा जारी करेगा, जिसमें सिर्फ एक निकाह का उल्लेख होगा। नए नियम का पालन नहीं करने पर सजा का भी प्रावधान है। वक्फ बोर्ड के नए निकाहनामे को मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को मानना जरूरी होगा। यूसीसी के बाद यह लागू किया है।

● **यूसीसी लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक-** उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा है कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बना है। यूसीसी लागू होने क बाद बहुविवाह पर रोक लग गई है, तीन तलाक पर पाबंदी है और हलाला जैसी प्रथाओं को अपराध माना गया है।

नेपाल में 9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम ने बचाया

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं।

● **चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद, 95 की पहचान-** नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली-3ए में मैंटेनेंस के काम के लिए गए थे।

मुसलमानों की एंट्री नहीं,आने वालों के लिए तिलक जरूरी

महाराष्ट्र में नवरात्रि कार्यक्रमों के लिए वीएचपी का नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में सार्वभौमिक एकता का संदेश दिया था। इसके एक हफ्ते के बाद, विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में नवरात्रि उत्सव के दौरान मुसलमानों को गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में भाग लेने से रोकने और उपस्थित लोगों पर सख्त नियम लागू करने का फैसला किया है। संगठन ने आयोजकों के लिए क्या करें और क्या न करें की लिस्ट भी जारी की है। इसमें आने वालों के आधार कार्ड की जांच और उनकी हिंदू पहचान पक्की करने के लिए माथे पर तिलक लगाने की बात कही गई है। राज्य भर में नवरात्रि के कार्यक्रमों में मुसलमानों की भागीदारी पर प्रतिबंध के बारे में बात करते हुए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने अपना पक्ष रखा।

यूके में संघ चीफ मोहन भागवत का वेलकम

ब्रिटिश सांसद बोले- उन्हें सुनकर बहुत खुशी हुई

● हिंदू संगठनों ने भी किया स्वागत, यात्रा का समर्थन

लंदन (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में गुरुवार को लंदन पहुंचे। संघ के शताब्दा समारोह के तहत अमेरिका और कनाडा के बाद उनका ब्रिटेन में कार्यक्रम है। आरएसएस प्रमुख के इस सप्ताह के आखिर में ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करने की उम्मीद है। इस बीच ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के अहम नेता ने मोहन भागवत की यात्रा का समर्थन दिया है।

ब्रिटिश सांसद ने की सोशल मीडिया पोस्ट- कंजर्वेटिव पार्टी से 5 बार के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि उन्हें संगठन के भविष्य पर संघ चीफ के विचार सुनकर खुशी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ब्लैकमैन ने संघ प्रमुख की जमकर तारीफ की।

भाजपा नेता का सिर फोड़ा, फिर उन्हीं पर मुकदमा!

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के केहरी गांव में देर रात हुए विवाद और मारपीट का मामला अब पुलिस कार्रवाई को लेकर भी सवालों में घिर गया है। भाजपा नेता नवीन कुमार के गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी दूसरे पक्ष की तहरीर पर उन्हीं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने का आरोप है। वहीं, घायल भाजपा नेता के भतीजे सुमित कुमार की ओर से 4 सितंबर को दी गई तहरीर पर कार्रवाई नहीं होने का परिवार ने आरोप लगाया है।

पीड़ित परिवार का दावा है कि हमले में नवीन कुमार के सिर पर गंभीर चोटें आईं और दून मेडिकल कॉलेज में कराई गई जांच में सिर में दो स्थानों पर फ्रैक्चर सामने आए हैं। परिवार का यह भी आरोप है कि पुलिस ने हमले के आरोपितों पर कार्रवाई करने के बजाय नवीन कुमार के भाई सुशील कुमार और भतीजे सुमित कुमार को थाने में बैठा लिया।

पहले गाली-गलौज, फिर 15-20 लोगों के साथ पहुंचने का आरोप

सुमित कुमार की तहरीर के मुताबिक, 3 सितंबर की रात करीब 10:30 से 11

बजे के बीच वह खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान रितिक नामक युवक ने शराब के नशे में उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों के बीच हाथापाई हुई।

तहरीर के अनुसार, कुछ ही मिनट बाद रितिक 15-20 लोगों को साथ लेकर वापस आया। आरोप है कि उनके हाथों में बेसबाल के डंडे, लोहे की रॉड और धारदार हथियार थे। इसके बाद सुमित के साथ मारपीट की गई।

भतीजे को बचाने पहुंचे तो नवीन कुमार पर हमला

सुमित को पिटता देख उसके चाचा नवीन कुमार बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें भी घेर लिया और सिर व माथे पर गंभीर वार किए। घटना के बाद 112 पर सूचना दी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, नवीन कुमार की हालत गंभीर होने पर उन्हें दून मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल ले जाया गया। परिवार का दावा है कि मेडिकल रिपोर्ट में सिर की गंभीर चोटों के साथ दो जगह फ्रैक्चर दर्ज हैं।

12 लोगों के खिलाफ तहरीर, वीडियो साक्ष्य होने का दावा

सुमित कुमार की शिकायत में कुल 12 लोगों के नाम दिए गए हैं। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो उपलब्ध होने की बात कही है। मेडिकल रिपोर्ट भी तहरीर के साथ लगाने का दावा किया गया है।

अब पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल पुलिस कार्रवाई को लेकर उठ रहा है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया, लेकिन उनके पक्ष की तहरीर पर कार्रवाई नहीं की गई। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और वीडियो फुटेज के आधार पर कार्रवाई की मांग की है।

जलभराव की समस्या का विधायक ने लिया संज्ञान

विकासनगर। बरसात के दौरान जीवनगढ़ रोड पुलिस चौकी के निकट और डाकपत्थर चौक पर बार-बार हो रहे जलभराव की समस्या को लेकर विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने एक बार फिर गंभीरता दिखाई। शुक्रवार को विधायक ने वखश्ठछ के अधिकारियों के साथ जीवनगढ़ से डाकपत्थर तक जाने वाले नाले का निरीक्षण किया और अधिकारियों को समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई योजना तैयार करने के निर्देश दिए। विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि नाले की अव्यवस्थित निकासी के कारण बरसात के समय सड़क और आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस वर्ष भी नाले में गंदगी और मलबा जमा रहने के कारण जीवनगढ़ रोड स्थित पुलिस चौकी के पास कॉलोनी में कई बार बाढ़ जैसे हालात बने और पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। इससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डाकपत्थर चौक पर भी इसी तरह जलभराव की समस्या सामने आई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नाले की समुचित निकासी और सफाई की व्यवस्था जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में बरसात के दौरान लोगों को इस समस्या का सामना न करना पड़े। बताया गया कि विधायक द्वारा पिछले वर्ष भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर समस्या के समाधान के प्रयास किए गए थे।

एक नजर

पिछले दो वर्षों में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार कमी आई

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में डेंगू की रोकथाम के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त मुहिम का असर अब आंकड़ों में नजर आने लगा है। राजकीय उपजिला चिकित्सालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो वर्षों में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार कमी आई है। वर्ष 2024 में 108 मरीज डेंगू से संक्रमित मिले थे जबकि 2025 में यह संख्या घटकर 52 रह गई। वहीं, वर्ष 2026 में अब तक डेंगू का केवल एक मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती इस मरीज का उपचार किया गया और स्वस्थ होने के बाद उसे घर भेज दिया गया। हालांकि प्रदेश के कुछ हिस्सों में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए एसपीएस राजकीय उपजिला चिकित्सालय प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। अस्पताल के फीमेल वार्ड में संभावित डेंगू मरीजों के उपचार के लिए 10 बेड का अलग वार्ड तैयार रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों की संख्या बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त व्यवस्था भी की जा सकती है। मरीजों को मच्छरों से बचाने के लिए वार्ड में मच्छरदानी और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

घर-घर सर्वे और फॉगिंग से रोकथाम

डेंगू की रोकथाम में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। टीमों ने निगम क्षेत्र में घर-घर सर्वे, जनजागरूकता अभियान और पानी जमा होने वाले स्थानों को चिह्नित करने का काम किया। ऐसे स्थानों पर समय-समय पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग भी कराई गई।

जन्माष्टमी पर कृष्ण भजनों से गूंजे मंदिर

जौलीग्रांट। क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने मंदिरों में जाकर विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। जन्माष्टमी पर क्षेत्र के मंदिरों को सजाया गया। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरण किया। कई स्थानों पर कृष्ण लीलाओं और झांकियों का भी आयोजन किया गया। छोटे बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नजर आए। मंदिरों में सुबह से ही कृष्ण भजन बजाए जा रहे थे। वहीं,महिलाओं और कीर्तन मंडली की ओर से कई स्थानों पर भजन कीर्तन किया गया।

अब 11 सितंबर से दून से पर्वतीय रूटों पर दौड़ेंगी जीएमओयू की बसें

ऋषिकेश। गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन (जीएमओयू) अब 11 सितंबर से देहरादून से पर्वतीय क्षेत्रों के लिए बस सेवा शुरू करेगी। पहले एक सितंबर, फिर चार सितंबर और उसके बाद अब 11 सितंबर की तारीख तय की गई है। अब तक जीएमओयू की बसें हरिद्वार और ऋषिकेश से ही संचालित होती हैं। देहरादून का परमिट मिलने के बाद पहली बार देहरादून से भी बसों का संचालन होगा। पहले चरण में प्रतिदिन 11 बसें चांदनी चौक (भुड्डी गांव) से हिमगिरी एक्सप्रेस के नाम से संचालित की जाएंगी। यह बसें शिमला बाइपास, आईएसबीटी, रिस्पना पुल होते हुए ऋषिकेश पहुंचेंगी। इन बसों का संचालन पहले चरण में जोशीमठ, गोपेश्वर, ऊखीमठ, नागनाथ पोखरी, तिरपालीसैंण, बीरोंखाल और धुमाकोट रूट पर किया जाएगा। जीएमओयू प्रबंधन ने बसों की समय-सारणी तैयार कर ली है। संचालन के लिए भुड्डी गांव में शाखा कार्यालय भी खोल दिया गया है। नए परमिट के आधार पर पहले बसों का संचालन एक सितंबर से होना था लेकिन एक कागज में परिवहन विभाग के अधिकारियों के हस्ताक्षर न होने से इन बसों का संचालन चार सितंबर कृष्णा जन्माष्टमी के दिन से करने की योजना बनाई गई थी ।

बदहाल मोटर मार्ग को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पुरोला/उत्तरकाशी। ग्राम सभा कंडारी एवं खमुण्डी-मल्ली मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर गोडर पट्टी के ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। लंबे समय से सड़क की खराब हालत और आवागमन में हो रही परेशानियों से नाराज ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश्वर लाल के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी कर अपनी नाराजगी दर्ज कराई।

ग्रामीणों का आरोप है कि मोटर मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह खराब हिस्सों के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या को लेकर संबंधित स्तर पर कई बार अवगत कराया गया, लेकिन उनकी अपेक्षा के अनुरूप स्थायी समाधान नहीं हो पाया।

वादों और जमीनी हकीकत पर उठाए सवाल

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर किए जाने वाले दावों का

वास्तविक असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उनका कहना था कि खराब सड़क के कारण ग्रामीणों, वाहन चालकों और क्षेत्र के अन्य लोगों को लगातार परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों के प्रदर्शन को आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से पहले क्षेत्र में बदलते राजनीतिक माहौल और स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता की नाराजगी के संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि इस प्रदर्शन का चुनावी परिणाम पर कितना प्रभाव पड़ेगा।

स्थायी समाधान की मांग ग्रामीणों ने संबंधित

विभाग और प्रशासन से मोटर मार्ग की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर जल्द मरम्मत कराने तथा सड़क को स्थायी रूप से दुरुस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलना उनका बुनियादी अधिकार है।

फिलहाल, सड़क को लेकर ग्रामीणों के विरोध ने स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही से जुड़े सवालों को फिर चर्चा में ला दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग ग्रामीणों की मांग पर कितनी तेजी से कार्रवाई करते हैं।

कोटिमयचक में इकट्ठा हुए दूसरे समुदाय के लोग

जौलीग्रांट। कोटिमयचक में ग्राम समाज की भूमि पर बृहस्पतिवार को शव दफनाए जाने के बाद शुरू हुआ विवाद शुक्रवार को फिर सामने आया। एक विशेष समुदाय के लोग उसी स्थान पर एकत्र हुए जिस पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई। स्थानीय निवासी रोहित सोलंकी ने बताया कि भूमि से जुड़ा मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। पिछले वर्ष ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन भी दिया था। उनका कहना है कि दोबारा लोगों के जुटने से माहौल बिगड़ सकता है। ग्राम प्रधान शिवानी ने कहा कि मामला खुली बैठक में रखा जाएगा और ग्रामीणों से बातचीत के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, विश्व हिंदू परिषद प्रमुख नरेश उनियाल ने दावा किया कि जिस भूमि पर शव दफनाया गया, वह ग्राम सभा की है।

मसूरी का सफर होगा आसान

देहरादून। पहाड़ों की रानी मसूरी जाने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। देहरादून से मसूरी के बीच एक नया नेशनल हाईवे विकसित किए जाने की योजना है। प्रस्तावित करीब 42 किलोमीटर लंबे दो-लेन हाईवे के निर्माण पर लगभग 3,500 करोड़ खर्च होने की बात सामने आई है। इस परियोजना का उद्देश्य देहरादून-मसूरी मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, सफर को सुरक्षित और सुगम बनाना तथा बरसात के दौरान सड़क बंद होने की समस्या का स्थायी विकल्प तैयार करना है।

जानकारी के अनुसार प्रस्तावित हाईवे जाजरा से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनाया जाएगा। इस मार्ग की सबसे बड़ी विशेषताओं में पहाड़ के भीतर बनाई जाने वाली दो लंबी सुरंगें शामिल हैं। जॉर्ज एवरेस्ट क्षेत्र के नीचे करीब 2.9 किलोमीटर लंबी सुरंग, जबकि मसूरी की पहाड़ियों में करीब 2 किलोमीटर लंबी दूसरी सुरंग प्रस्तावित है।

तीखे मोड़ों और भूस्खलन वाले क्षेत्रों से मिलेगी राहत

मौजूदा देहरादून-मसूरी मार्ग पर पर्यटक सीजन के दौरान वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। कई स्थानों पर सड़क संकरी होने और तीखे मोड़ होने के कारण यातायात की रफ्तार प्रभावित होती है। बारिश के दौरान भूस्खलन और सड़क क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं भी यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बनती हैं। नई सुरंगों और बेहतर सड़क संरचना के जरिए ऐसे संवेदनशील हिस्सों को बाईपास करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इससे यात्रा का समय कम होने के साथ-साथ वाहन चालकों को अधिक सुरक्षित और सुगम मार्ग मिल सकेगा।

मसूरी के लिए बनेगा वैकल्पिक मार्ग

वर्तमान में देहरादून से मसूरी पहुंचने के लिए मुख्य रूप से एक ही प्रमुख मार्ग पर भारी दबाव रहता है। पर्यटक सीजन में इस मार्ग पर घंटों जाम लगने की स्थिति पैदा हो जाती है।

सेलाकुईं-रामपुर पुल की मरम्मत में गुणवत्ता से समझौता नहीं

सहसपुर, भारी बारिश के चलते स्वारना नदी पर सेलाकुईं-रामपुर को जोड़ने वाले सेतु का बेस क्षतिग्रस्त होने के बाद प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने मरम्मत कार्य तेज कर दिया है। इसी क्रम में सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने मौके पर पहुंचकर पुल की स्थिति और चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुल की मरम्मत में गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। विधायक पुंडीर ने सेतु की तकनीकी जांच कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यदि तकनीकी जांच में पुल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मरम्मत के बजाय नए सेतु के निर्माण की आवश्यकता सामने आती है, तो सरकार जनहित में नए पुल के निर्माण के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि

मरम्मत कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से जल्द राहत मिल सके। विधायक ने कहा कि आपदा से प्रभावित सड़क, पुल और अन्य जनसुविधाओं की बहाली सरकार की प्राथमिकता है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्थानीय लोगों के लिए सेलाकुईं-रामपुर पुल महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आसपास के ग्रामीणों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मरम्मत कार्य की गुणवत्ता और पुल की मजबूती को लेकर विभागीय स्तर पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

मुख्यमंत्री आवास कूच की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की बैठक

देहरादून। आगामी 7 सितंबर 2026 को प्रस्तावित मुख्यमंत्री आवास कूच को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आज चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने देहरादून में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजकुमार के कार्यालय में आयोजित बैठक में शिरकत की।

बैठक में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री आवास कूच की तैयारियों पर चर्चा की गई। प्रीतम सिंह ने कांग्रेसजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

प्रीतम सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास कूच महज एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, संविधान और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार से हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम स्थल के कथित ह्यशुद्धिकरणह्ल मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जवाब मांगना

चाहती है। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा कथित रूप से इस कृत्य को जायज ठहराए जाने पर भी सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की। साथ ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर कांग्रेस ने इसे बदनीयती से की गई कार्रवाई बताते हुए सवाल उठाया कि यह एफआईआर किसके दबाव में दर्ज की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सामाजिक न्याय से समझौता नहीं होगा। उन्होंने अन्याय के खिलाफ कांग्रेस की आवाज को लगातार बुलंद करने का संकल्प जताया।

काशीपुर-हरिद्वार रूट पर सुचारू हुआ बस का संचालन

काशीपुर। काशीपुर-हरिद्वार रूट पर बसों का संचालन सामान्य हो गया है। इस रूट पर छह बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यात्रियों की संख्या को देखते हुए बसों के फेरों में बढ़ोतरी की जाएगी।

कांवड़ यात्रा के चलते पिछले कुछ दिनों से इस रूट पर बसों का संचालन बाधित था। इससे हरिद्वार, नजीबाबाद, धामपुर होते हुए जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। यात्रियों को निजी वाहनों में अधिक किराया देकर सफर करना पड़ रहा था। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की मांग और सुविधा को देखते हुए फिलहाल छह बसों को इस रूट पर लगाया गया है। सुबह पांच बजे से शाम तक हर दो घंटे के अंतराल में बसें उपलब्ध रहेंगी।

सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि काशीपुर डिपो से हरिद्वार के लिए सीधी सेवा बहाल कर दी गई है। यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर बसों की संख्या और फेरे बढ़ाए जाएंगे।

वर्षाकाल में उपखनिज परिवहन को लेकर प्रशासन सख्त

देहरादून। वर्षाकाल में लगातार हो रही भारी बारिश और यमुना समेत अन्य नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने उपखनिज परिवहन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। जनसुरक्षा और संपत्ति की सुरक्षा के मद्देनजर स्टोन क्रशर, स्क्रीनिंग प्लांट संचालकों और उपखनिज ट्रांसपोर्टरों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के अनुसार, भारी बारिश के कारण उपखनिज परिवहन के लिए बनाए गए स्थायी एवं अस्थायी मार्गों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में उपखनिज का परिवहन केवल सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच ही किया जाएगा। सूर्यास्त के बाद नदी क्षेत्र में किसी भी प्रकार का उपखनिज परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि उपखनिज से लदा कोई वाहन नदी क्षेत्र में मौजूद हो और अचानक जलस्तर बढ़ने लगे, तो चालक किसी भी स्थिति में वाहन को नदी से निकालने का जोखिम न लें।

विकासनगर व्यापार मंडल ने ली हिमालय बचाने की प्रतिज्ञा

विकासनगर। हिन्दुस्तान समाचार पत्र के हिमालय बचाओ अभियान के तहत विकासनगर व्यापार मंडल ने भी पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में व्यापार मंडल के सदस्यों ने हिमालय बचाने की प्रतिज्ञा ली। इस दौरान व्यापार मंडल ने व्यापारियों और आमजन से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा पॉलिथीन का प्रयोग पूरी तरह बंद करने की अपील की।

व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि हिमालय की रक्षा किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही ग्लोबल वार्मिंग का असर पर्यावरण के साथ-साथ हिमालय पर भी पड़ रहा है। हिमालय देश का मस्तक होने के साथ ही जल, जलवायु और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने लोगों से हिन्दुस्तान के ह्यहिमालय बचाओ अभियानह्ल से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का

आह्वान किया। पूर्व अध्यक्ष नीरज अग्रवाल और उपाध्यक्ष हरीश अरोड़ा हैरी ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि हिमालय सुरक्षित रहेगा तभी जल, जीवन और पर्यावरण का संतुलन बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हिमालय या पर्यावरण को नुकसान पहुंचे।

इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री हरीश अरोड़ा हैरी, उपाध्यक्ष दीपक जैन, रमन ढींगरा, दिनेश जायसवाल, नीरज अग्रवाल, हिमकर गुप्ता, राजीव शर्मा, खजान सिंह, रिंकू कनौजिया, प्रमिंदर सिंह, अकबर अली, प्रदीप खुराना, वैभव गुप्ता, सचिन डंग सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गैर शैक्षणिक कार्यों से पढ़ाई प्रभावित, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ में रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था के अलावा कराए जा रहे गैर शैक्षणिक कार्यों के विरोध में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने रोष जताया है। संघ ने कहा कि ऑनलाइन गैर शैक्षणिक कार्यों और बैठकों के कारण विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिक्षक बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं कर सकते। संघ ने चेतावनी दी कि शिक्षकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा कूच किया जाएगा।

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी और जिलामंत्री भोपाल सिंह रावत के नेतृत्व में आयोजित बैठक में शिक्षकों ने कहा कि पढ़ाई के अलावा उनसे ऑनलाइन गैर शैक्षणिक कार्य करवाए जा रहे हैं। इससे शिक्षकों का अधिकांश समय अन्य कार्यों में लग रहा है और विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षक अब ऑनलाइन होने वाली गैर शैक्षणिक बैठकों में भाग नहीं लेंगे। बैठक में विद्यालयों में कराए जा रहे सोशल ऑडिट का भी विरोध किया गया। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि सोशल ऑडिट टीम द्वारा विद्यालयों में अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में पहले से ही एजी ऑडिट और आंतरिक ऑडिट की व्यवस्था है, ऐसे में सोशल ऑडिट का कोई औचित्य नहीं है। शिक्षकों ने कहा कि इन समस्याओं को कई बार शासन-प्रशासन के समक्ष उठाया जा चुका है, लेकिन अब तक गंभीरता से समाधान नहीं किया गया। संघ ने निर्णय लिया कि शिक्षक दिवस पर भी इन मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। साथ ही विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा कूच कर सरकार के समक्ष अपनी मांगें मजबूती से रखी जाएंगी।

जन्माष्टमी पर निकली भव्य झांकी

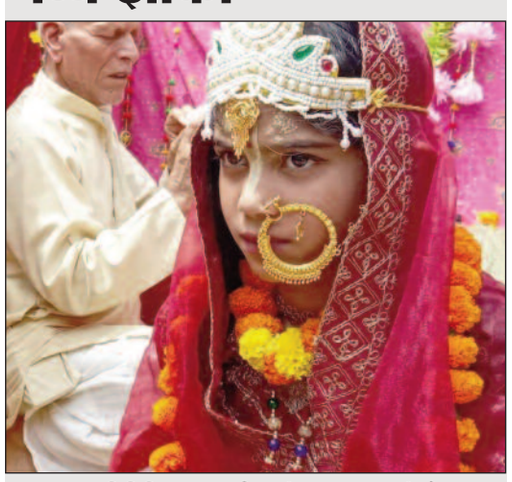

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को सतपुली बाजार में भव्य झांकी निकाली गई। झांकी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हरे कृष्ण-हरे राम के जयकारों और भजन-कीर्तन से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गोडिया मठ सतपुली की ओर से सतपुली बाजार में भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी निकाली गई। झांकी में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे बाजार में भक्तिमय माहौल बना रहा। झांकी पोस्ट ऑफिस रोड से शुरू होकर सतपुली बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः पोस्ट ऑफिस रोड पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से बाजार गूंज उठा। झांकी देखने के लिए बाजार में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। झांकी के आयोजन में सीमा महंगाई, रेणु घिल्डियाल, गंगा खंतवाल, प्राची वर्मा, सुरेश घनशाला, किरण घिल्डियाल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सहयोग किया।

शिक्षक समाज की दिशा और भविष्य तय करते हैं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि शिक्षक समाज की दिशा और भविष्य तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक बेहतर और संस्कारवान समाज के निर्माण में शिक्षकों का योगदान बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र का भी निर्माण करते हैं।पदमपुर स्थित एक बारात घर में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुरेश जोशी, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन कोटद्वार के अध्यक्ष अजयपाल सिंह रावत, संरक्षक गिरिराज सिंह रावत और चंद्रशेखर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने विद्यार्थी जीवन और शिक्षक के रूप में बिताए दिनों की स्मृतियां साझा करते हुए अपने गुरुजनों को याद किया। उन्होंने कहा कि समाज की रूपरेखा गढ़ने वाली पहली गुरु मां होती हैं और दूसरी गुरु शिक्षक एवं गुरुजन। मां बच्चों को जीवन के प्रथम संस्कार देती हैं, जबकि शिक्षक उन्हें ज्ञान, अनुशासन और सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य और समाज का निर्माण शिक्षकों के हाथों में है। ऋतु खंडूड़ी भूषण ने महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को स्मरण करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया।

स्यानाचट्टी से हनुमानचट्टी के बीच वन–वे व्यवस्था लागू

बड़कोट। यमुनोत्री धाम में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ हाईवे पर वाहनों का दबाव भी बढ़ गया है। लगातार बढ़ते ट्रैफिक और जाम की स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने स्यानाचट्टी से हनुमानचट्टी के बीच वन–वे व्यवस्था लागू कर दी है।

यात्रा सीजन में यमुनोत्री धाम जाने वाले वाहनों की संख्या बढ़ने से स्यानाचट्टी–हनुमानचट्टी के बीच कई बार यातायात बाधित हो रहा था। आमने–सामने वाहनों के आने से जाम की स्थिति को रोकने के लिए पुलिस ने वन–वे व्यवस्था लागू की है। मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती कर यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है। स्यानाचट्टी चौकी प्रभारी कांति राम जोशी के यात्रियों की सुविधा के लिए वन–वे व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस मार्ग पर लगातार निगरानी रख रही है। इधर हाईवे की स्थिति को लेकर एनएच के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने कहा कि वन–वे व्यवस्था की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं है। यह प्रशासन स्तर से लागू की गई होगी। उन्होंने बताया कि हाईवे पहले की तुलना में चौड़ा हो चुका है। हालांकि कुछ स्थानों पर दलदल के कारण परेशानी बनी हुई है जिसे दूर करने के लिए मशीनें लगाई गई हैं। यात्रा सीजन में बढ़ती भीड़ के बीच अब चुनौती ट्रैफिक को नियंत्रित रखने की है।

बीईएल-रतनपुर मार्ग पर पहुंचा हाथी, वाहनों का लगा जाम

कोटद्वार के बीईएल-रतनपुर क्षेत्र में सड़क पर घूमता हाथी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुरुवार रात बिजनौर वन प्रभाग के जंगल से निकलकर एक हाथी बीईएल-रतनपुर मार्ग पर पहुंच गया। करीब एक घंटे तक हाथी सड़क और आसपास की गलियों में चहलकदमी करता रहा। इसके कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। हाथी के जंगल लौटने के बाद ही यातायात सुचारु हो सका। बीईएल-रतनपुर क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा जंगल से सटा हुआ है। इसके चलते यहां आए दिन जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। गुरुवार रात एक हाथी बीईएल रोड पर पहुंचा। करीब एक घंटे तक हाथी मार्ग पर घूमता रहा। इस दौरान वह आसपास की गलियों में भी पहुंचा और कई घरों के आंगन के बाहर चहलकदमी करता दिखाई दिया। हाथी को देखकर लोगों में दहशत का माहौल रहा। कई लोगों ने हाथी की चहलकदमी को मोबाइल कैमरों में कैद किया। हाथी के सड़क पर आने से बीईएल-मोटाढांक मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दोनों ओर जाम लग गया। हाथी के जंगल की ओर लौटने के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो पाई। जंगल से सटे मार्गों पर झाड़ियां बढ़ने के कारण जंगली जानवरों की आवाजाही का खतरा बना हुआ है।

हिंसरियाखाल के तीन छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज हिंसरियाखाल के तीन विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के कक्षा छह के आदित्य भट्ट, आरव सिंह महर और बलदेव सिंह राणा का छात्रवृत्ति के लिए चयन होने पर विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों ने खुशी जताई है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा छह में प्रतिमाह 600 रुपए, कक्षा सात में 700 रुपए तथा कक्षा आठ में 800 रुपए छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामदयाल ने कहा कि तीनों विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति परीक्षा में चयन होना विद्यालय के साथ ही पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. हर्षमणी पांडेय ने विद्यार्थियों को आगे भी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। (एजेंसी)

अध्यक्ष पद के लिए आठ सितंबर को होगा चुनाव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला सहकारी बैंक लिमिटेड में अध्यक्ष के चुनाव से पूर्व बैंक के पांच निर्वाचन क्षेत्रों की विभिन्न समितियों में 13 संचालकों का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। अध्यक्ष पद का चुनाव आठ सितंबर को होगा। चुने गए संचालक ही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चयन करेंगे।

मुख्य चुनाव अधिकारी विद्यादत्त रतूड़ी ने बताया कि जिला सहकारी बैंक की विभिन्न समितियों में 13 संचालकों के पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया जारी है। बताया कि गुरूवार को नाम वापसी के बाद अंतिम सूची जारी की गई, जिसमें सभी समितियों में निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। बताया कि कल्जीखाल निर्वाचन क्षेत्र की खुलेऊ समिति से चंद्रकला देवी व प्रताप सिंह, कोटद्वार निर्वाचन क्षेत्र में देवभूमि कृषि उत्पादन विपणन सहकारी समिति से साधाना त्रिपाठी, श्रीनाथ श्रम संविदा सहकारी समिति से सीमा नेगी, पाबौ आवास सहकारी समिति चौपाड़िया पाबौ से सुधीर कुमार सिंह का निर्विरोध निर्वाचन तय है। पाबौ निर्वाचन क्षेत्र से भीडा-पोखरी समिति में ललिता भंडारी और खिर्सू से रजनी देवी व सतीश लाल का भी निर्विरोध निर्वाचन तय है। वीरोंखाल निर्वाचन क्षेत्र में जयहरीखाल से नीतू रावत, डेरियाखाल से किरन बौंठियाल और कफलटंडा से सुरेंद्र प्रताप सिंह, विशेष प्रकार की सरकारी समिति निर्वाचन क्षेत्र में जिला भेषज एवं सहकारी विकास संघ कोटद्वार से सुनीता बिष्ट और डिस्ट्रिक लेबर कांट्रेक्ट कोपरेटिव फेडरेशन पौड़ी से पंकज रावत का निर्विरोध निर्वाचन तय है।

दिव्यांगता बनी ताकत, जरूरतमंद बच्चों के सपनों को दे रहे पंख

शिक्षक संतोष सिंह नेगी की पहल, हर साल करीब 50 बच्चों की पढ़ाई में करते हैं मदद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि हौसला मजबूत हो तो मंजिल हासिल की जा सकती है। शिक्षक संतोष सिंह नेगी इसका जीवंत उदाहरण हैं। जन्म से 45 प्रतिशत दिव्यांगता, बचपन में मां और फिर पिता का निधन और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने ना केवल अपनी पढ़ाई जारी रखी, बल्कि आज जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का सहारा बने हुए हैं। उनके लिए शिक्षक होना महज नौकरी नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को संवारने का माध्यम है।

माता-पिता के निधन के बाद छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी भी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पढ़ाई के साथ उन्होंने ट्यूशन पढ़ाकर परिवार की मदद की। इसके बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा का सपना नहीं छोड़ा। उन्होंने चार विषयों में परास्नातक किया और दो विषयों में नेट उत्तीर्ण किया। शिक्षा के क्षेत्र में पीएचडी की दिशा में भी आगे बढ़े।

विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते शिक्षक संतोष नेगी

सरकारी शिक्षक बनने के बाद नेगी ने देखा कि ग्रामीण और गरीब परिवारों के कई बच्चे केवल आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई से दूर हो जाते हैं। किसी के पास फीस के पैसे नहीं हैं तो किसी के पास किताब, यूनिफार्म, जूते या स्कूल बैग नहीं। उन्होंने ऐसे बच्चों की मदद का बीड़ा उठाया। अपने संसाधनों और समाज के सहयोग से वह हर साल करीब 50 जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहायता करते हैं। उनका प्रयास रहता है कि आर्थिक तंगी किसी बच्चे की पढ़ाई के आड़े न आए।

बेटियों के लिए आसान की स्कूल की राह

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी शिक्षक संतोष सिंह नेगी विशेष पहल की। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल की दूरी और आवागमन का साधन न होना कई बेटियों की पढ़ाई में बाधा बनता है। इसे देखते हुए उन्होंने जरूरतमंद विद्यार्थियों को करीब तीन लाख रुपये मूल्य की साइकिलें उपलब्ध कराईं। इनमें बड़ी संख्या छात्राओं की रही। साइकिल मिलने के बाद कई छात्राओं के लिए विद्यालय पहुंचना आसान हुआ। इससे उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद मिली और विद्यालय में छात्राओं की संख्या बढ़ाने के प्रयासों को भी बल मिला।

शिक्षक को मिल चुके है कई सम्मान

शिक्षक संतोष सिंह नेगी को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मानों से सम्मानित किया गया है। उन्हें माइंड ऑफ स्टील अवार्ड (2011), गॉडफ्रे ब्रेवरी अवार्ड (2012), राज्य का सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी पुरस्कार (2013) और राज्य का सर्वश्रेष्ठ विज्ञान शिक्षक पुरस्कार (2015) सहित विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया है।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने बेस अस्पताल को मेडिकल कंफर्ट सामग्री सौंपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने बेस अस्पताल, कोटद्वार के मेडिकल वार्ड में भर्ती बीमार, गरीब और असहाय मरीजों की सुविधा के लिए मेडिकल कंफर्ट सामग्री उपलब्ध कराई। समिति की ओर से अस्पताल को डायपर, सर्जिकल ग्लव्स, एयर मैट्रेस सहित अन्य आवश्यक सामग्री सौंपी गई।

समिति के अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह रावत के नेतृत्व में पूर्व सैनिक प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल प्रशासन को सामग्री प्रदान की। इस दौरान समिति पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व सैनिक संघर्ष समिति सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए भविष्य में भी इस तरह के सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे। अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह रावत ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने अपने सेवाकाल में देश की सेवा की है और अब समाज सेवा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ा होना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को

अस्पताल को सामग्री सौंपते पूर्व सैनिक

यथासंभव सहयोग उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी समिति की ओर से दिव्यांगजनों की सहायता के लिए व्हीलचेयर सहित अन्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। इस अवसर पर लेखा निरीक्षक मेहरवान सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष ठाकुर सिंह, उपाध्यक्ष अनसूया प्रसाद सेमवाल सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भल्डगांव के ग्रामीणों में आक्रोश

उत्तरकाशी। टिहरी बांध की झील से प्रभावित भल्डगांव के ग्रामीणों का विस्थापन की मांग के लिए धरना शुक्रवार को 25वें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से अपनी जायज मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया जा रहा है लेकिन अब तक समस्या का ठोस समाधान नही हो पाया है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं आंदोलनकारी गोपीनाथ सिंह रावत ने कहा कि ग्रामीणों को आश्वासन नहीं बल्कि विस्थापन की ठोस कार्रवाई चाहिए। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि जब तक विस्थापन की प्रक्रिया शुरू नहीं होती उनका संघर्ष जारी रहेगा। धरने में गोपीनाथ सिंह रावत, विक्रम लाल, बच्चन लाल, बैसाखी देवी, पुरुषोत्तम लाल, विजय लाल, संदीप लाल सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

वेदों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आर्य समाज की ओर से आयोजित वेद साप्ताहिक कार्यक्रम में लोगों को वेदों और मंत्रों के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने वेदों की शिक्षाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वेद मानव जीवन को सत्य, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। बदायूं से पहुंचे आचार्य संजीव ने कहा कि मंत्रों में अपार शक्ति होती है। प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से मंत्रों का उच्चारण और वेदों का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्रों के उच्चारण से मन को एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है तथा व्यक्ति के जीवन में अनुशासन का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि वेद हमें सत्य के मार्ग पर चलने की सीख देते हैं। समाज में रहने वाले जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर ही स्वस्थ और बेहतर समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने लोगों से वेदों की शिक्षाओं को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही समाज में आपसी सहयोग, सेवा, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने वेदों के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

किसानों को केसीसी से जोड़ने के निर्देश

उत्तरकाशी। जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री एवं जिला पुनरीक्षण समिति की बैठक हुई। बैठक में वितीय समावेशन, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की प्रगति और बैंकिंग सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने 10 दिन से अधिक लंबित एजुकेशन लोन मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों को ऋण–जमा अनुपात में सुधार और अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जोड़ने के निर्देश दिए। कृषि विभाग और बैंकों को ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त कैंप आयोजित कर किसानों को केसीसी का लाभ दिलाने को कहा। बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन, एनआरएलएम, एनयूएलएम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन, मुख्यमंत्री स्वरोजगार, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार और दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे योजना की समीक्षा की गई। आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक में प्रशिक्षण, व्यय अनुमोदन और आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न विभागों और बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चलाया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम व सड़क सुरक्षा के तहत परिवहन विभाग की ओर से अभियान चला गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अमित कुमार के नेतृत्व में कोटद्वार क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान वाहन से बाहर सामान लादकर ले जाने वाले ओवर साइज-ओवरलोड वाहनों व डाला खुला रखकर सामान का परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 13 वाहनों के चालान किए गए। कार्रवाई से विभाग को एक लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं, शराब का सेवन कर वाहन चलाने के मामले में तीन वाहनों को निरुद्ध (सीज) कर सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय, कोटद्वार में खड़ा कराया गया। एआरटीओ (प्रवर्तन) अमित कुमार ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, ओवरलोडिंग से बचने तथा शराब का सेवन कर वाहन न चलाने की अपील की है। विभाग का उद्देश्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

उत्तर रेलवे

मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे के (NSG-4, NSG-5 & NSG-6) श्रेणी के 29 स्टेशनों पर "स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट" (एस टी बी ए) की नियुक्ति के लिए निविदा निमंत्रण की सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत विभिन्न (NSG-5 & NSG-6 Railway station) पर तीन वर्ष की अवधि के लिए और (NSG-4) श्रेणी के स्टेशनो पर एक वर्ष की अवधि के लिए (कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यु.टी.एस) द्वारा अनारक्षित रेल टिकटों को जारी करने हेतु टिकट बुकिंग एजेंट (एस.टी.बी.ए) की नियुक्ति हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों जो कि निविदा की नियम व शर्तें पूर्ण करते हो से दिनांक **25.09.2026** को 10:00 से 15:00 बजे तक निविदा आमंत्रित किये जायेंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा।

निविदा फॉर्म और उसके शर्तें उत्तर रेलवे कि बेवसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** से भी डाउनलोड किये जा सकते है, ठेके के लिए निविदा फॉर्म नियम एवं शर्तों सहित विस्तृत जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्यालय से दिनांक **04.09.2026 से 24.09.2026, समय 10:00 hrs. से 17:00 hrs.** बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है, जिसके लिए निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 1180/– (रु. 1000 रु + जी एस टी @18%) सहित का भुगतान करना होगा। निविदा फॉर्म दिनांक 25.09.2026 को 10:00 से 15:00 बजे तक स्वीकृत किये जाएंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा। डाउनलोड किये गए निविदा फॉर्म के साथ निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 1180/– (रु. 1000 रु. + जी एस टी @18%) का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना होगा जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद (Sr. DFM/NR/Moradabad) के नाम देय होगा, अन्यथा निविदा रद्द कर दी जायगी।

आवेदक यदि NSG-4 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो रू. 10000/– की धरोहर राशि, NSG-5 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो रू. 5000/– की धरोहर राशि एवं यदि NSG-6 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो रू. 2000/– की धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में संलग्न करनी होगी जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के नाम, मुरादाबाद मेन ब्रांच देय होगा।

नोट : पूर्ण धरोहर राशि, निविदा प्रपत्र का मूल्य और सभी अन्य अपेक्षित कागजात (स्वयं सत्यापित) के बिना जमा किये गए आवेदन प्रपत्र पर विचार नही किया जाएगा। यदि निविदा खोलने वाले दिन 25.09.2026 को अवकाश घोषित हो जाता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी।

निम्नलिखित **NSG-4, NSG-5 & NSG-6** श्रेणी के 29 स्टेशनों पर संविदा पर "एसटीबीए" की नियुक्ति की जानी है:–

S.N.	Station Name	Station Code	Category of Station
1	हाफिजपुर	HZR	NSG-6
2	करना	KAR	NSG-6
3	काफूरपुर	KFPR	NSG-6
4	कहलिया	KH	NSG-6
5	कांकाठेर	KHE	NSG-6
6	कौढ़ा	KUF	NSG-6
7	महरौली	MFH	NSG-6
8	महेशरा	MHHR	NSG-6
9	ऐथल	ATMO	NSG-6
10	बाबूगढ़	BBO	NSG-6
11	कांसरो	QSR	NSG-6
12	कुचेसर रोड	QXR	NSG-6
13	रहीमाबाद	RBD	NSG-6
14	दिलावरनगर	DIL	NSG-6
15	सिम्मौली	SMBL	NSG-6
16	दलेलनगर	DLQ	NSG-6
17	डौसनी	DSNI	NSG-6
18	पथरी	PRI	NSG-6
19	सनेह रोड	SNX	NSG-6
20	उमर ताली	UTA	NSG-6
21	बंथरा	BTRA	NSG-6
22	जहानीखेड़ा	JKH	NSG-6
23	ज्वालापुर	JWP	NSG-6
24	अमरोहा	AMRO	NSG-5
25	संडीला	SAN	NSG-5
26	धामपुर	DPR	NSG-5
27	गजरौला	GJL	NSG-5
28	बालामऊ	BLM	NSG-5
29	हापुड़	HPU	NSG-4

फाइल: 1/STBA/POLICY/MB/2022/C 3045/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

वरदान साबित होगा मानसून

उत्तराखंड में बरसने वाला मानसून भले ही कई दर्द देकर जाता हो लेकिन उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति के लिए इसका एक खास महत्व भी है। खास तौर से उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में होने वाली खेती मानसून की अच्छी बरसात के लिए वरदान है। जिस प्रकार से इस बात उत्तराखंड में मानसून की अच्छी बरसात हुई है उसे उम्मीद की जा सकती है कि यह किसने एवं पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी बेहद प्रभावशाली साबित होगी। उत्तराखंड में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन, आजीविका और प्राकृतिक संतुलन का आधार है। इस वर्ष मानसून की अच्छी बारिश ने जहां एक ओर पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों को राहत प्रदान की है, वहीं इसके कुछ सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए हैं। पहाड़ों से लेकर तराई तक वर्षा का असर जनजीवन, कृषि, जलस्रोतों और पर्यावरण पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

पर्वतीय क्षेत्रों में अच्छी बारिश का सबसे बड़ा लाभ जलस्रोतों के पुनर्जीवन के रूप में देखने को मिलता है। लंबे समय से सूख रहे प्राकृतिक नौले, धारे और गधेरे फिर से जल से भरने लगते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम होता है और पशुपालन को भी लाभ मिलता है। वर्षा के कारण जंगलों की हरियाली बढ़ती है तथा जैव विविधता को नया जीवन मिलता है। खेतों में बोई गई धान, मंडुवा, झंगोरा और अन्य फसलों के लिए भी पर्याप्त नमी उपलब्ध होती है। हालांकि, भूस्खलन, सड़क अवरोध और पहाड़ियों के दरकने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। कई बार गांवों का संपर्क जिला मुख्यालयों से कट जाता है। चारधाम यात्रा मार्गों पर भी यातायात प्रभावित होता है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नदी–नालों का जलस्तर बढ़ने से खतरा और अधिक बढ़ जाता है। उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में अच्छी बारिश कृषि के लिए वरदान साबित होती है। धान, गन्ना और सब्जियों की खेती को पर्याप्त पानी मिलता है, जिससे उत्पादन बढ़ने की संभावना रहती है। भूजल स्तर में सुधार होता है और जलाशयों में पानी की उपलब्धता बढ़ती है। इससे आने वाले महीनों में पेयजल और सिंचाई संबंधी समस्याओं में कमी आती है। मैदानी क्षेत्रों में लगातार बारिश जलभराव, यातायात अव्यवस्था और शहरी समस्याओं को भी जन्म देती है। कई शहरों में नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था की कमजोरियां उजागर हो जाती हैं। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है तथा संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुल मिलाकर, मानसून की अच्छी बारिश उत्तराखंड के लिए प्रकृति का अमूल्य उपहार है। यह जल, जंगल और जमीन को नया जीवन देती है तथा कृषि और पर्यावरण को मजबूत बनाती है। लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक योजना, मजबूत आधारभूत संरचना और प्रभावी आपदा प्रबंधन भी उतना ही आवश्यक है। यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, तो मानसून की यह वर्षा राज्य की समृद्धि और सतत विकास का आधार बन सकती है।

राष्ट्रपति विलियम का टाटा केमिकल्स को केन्या प्लांट बंद करने का आदेश

सनत जैन

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने टाटा केमिकल्स कंपनी को केन्या के प्लांट को तुरंत बंद करने का आदेश दिया है। केन्या के राष्ट्रपति रूतो ने बड़े सख्त लेहजे में कहा है, उनका देश केन्या किसी का गुलाम नहीं है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर आरोप लगाया है कि वह इतने साल से केन्या में अपना प्लांट चला रही है, यहां से भारी पैसा कमा रही है लेकिन इस कंपनी ने केन्या के लिए कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिससे ऐसा लगे, टाटा केमिकल्स केन्या के विकास और जरूरतों की दिशा में अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या पर खर्च कर रही हो। उन्होंने टाटा केमिकल्स के कामकाज पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा, क्या हम दूसरे देशों के या टाटा केमिकल्स के गुलाम हैं जो इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर कार्यवाही के बाद अन्य कंपनियों को एक तरह से चेतावनी दे दी है। उनका संदेश साफ है, केन्या केवल मुनाफा कमाने का देश नहीं है। जो भी कंपनियां केन्या में काम कर रही हैं उन्हें अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या की बेहतरी के लिए खर्च करना होगा। रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। औद्योगिक विकास में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी होगी। टाटा केमिकल्स का केन्या सरकार के साथ 100 साल का अनुबंध था। उस अनुबंध को तोड़ते हुए केन्या सरकार ने टाटा केमिकल्स को अपना कारोबार समेटने का अल्टीमेटम दे दिया है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में कहा टाटा केमिकल्स ने स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने की दिशा में ना तो स्वयं कोई काम किया है ना ही सरकार को इसमें सहयोग दिया है। टाटा केमिकल्स को टाटा बाय-बाय करने के साथ ही उन्होंने दो अन्य कंपनियों को लाने का फैसला किया है। यह नई कंपनियां टाटा केमिकल्स के कारोबार के साथ-साथ औद्योगिक विकास में केन्या सरकार के साथ मिलकर काम करेंगी। जिस तरह से दुनिया के सारे देशों में वैश्विक व्यापार संधि के बाद बड़ी तेजी के साथ कारोबार बढ़ा है, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में सभी देश अपनी रणनीति बदल रहे हैं। जो विदेशी कंपनियां हैं यदि उनके देश से मुनाफा कमा रही हैं ऐसी स्थिति में उन्हें मुनाफे का एक हिस्सा जिस देश से वह मुनाफा कमा रही हैं उस पर खर्च करने की शर्त लगाना शुरू कर दी है। ताकि किसी भी देश का आर्थिक और सामाजिक शोषण कंपनियां ना कर सकें। केन्या जैसे देश ने इस मामले में पहल की है। सैकड़ो वर्षों का इतिहास है, अफ्रीका के देशों में जाकर यूरोप और अन्य देशों ने भारी कमाई की है। जिन देशों से वह कमाई कर रहे हैं वहां के लिए वह कुछ भी नहीं कर रहे हैं। केवल अफ्रीकी देशों का शोषण कर रहे हैं। इस स्थिति में अब अफ्रीकी देश काफी सजग हो गए हैं। वह अफ्रीका की संपदा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जो भी कंपनियां वहां काम कर रही हैं उनके ऊपर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। यदि वह उसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके साथ सहयोग करेंगे ऐसी स्थिति में वह कारोबार कर सकेंगे अन्यथा उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों को टाटा-टाटा बाय-बाय करने का तरीका ईजाद कर लिया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, आफ्रीकी देश कर्ज के जंजाल में फंसे बिना जिन देसी एवं विदेशी कंपनियों को कारोबार सौंप रहे हैं उसमें अफ्रीकी देश का नेतृत्व युवा पीढ़ी के पास है। वह इस मामले में ज्यादा सजग और आक्रामक है। भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। यहां बेरोजगारी भी सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में जब केन्या जैसे छोटे देश इस तरह की सोच रखते हैं ऐसी स्थिति में भारत जैसे देश यदि संपन्न देशों के पीछे और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की शर्तों पर उन्हें आने की अनुमति देते हैं। औद्योगिक निवेश के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें तरह-तरह की छूट दी जाती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के लिए यह एक आईना है। हमारी आबादी है। भारत में कारोबार की अन्य देशों की तुलना में ज्यादा संभावनाएं हैं, ऐसी स्थिति में भारत को भी आत्मविश्वास बनाना होगा।

निर्भया कांड के चौदह साल बाद भी महफूज नहीं है बेटियाँ

मनोज कुमार अग्रवाल

निर्भया रेप केस के करीब चौदह साल बाद भी दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की हालिया घटना सामने आई है, जिसमें एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ नोएडा से दिल्ली के बीच एक चलती निजी स्लीपर बस में सामूहिक बलात्कार किया गया है । यह शर्मनाक वारदात बता रही है कि निर्भया कांड के बाद कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिए किए गए बड़े-बड़े दावे सख्त कानून और सुरक्षा के बढते बंदोबस्त सब हवा हवाई दावे मात्र है कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिहाज से आज भी हाशिये पर खाड़ी है।

दिल्ली में चलती बसों में होने वाले अपराधों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें 2012 का निर्भया रेप मर्डर केस सबसे चर्चित वीभत्स मामला रहा। लेकिन निर्भया कांड के 14 साल बीत जाने के बाद भी इस तरह की वारदात की पुनरावृत्ति बता रही है कि अपराधी कल भी बेखौफ थे और आज भी बेखौफ है उन्हें कानून पुलिस अदालत किसी का तनिक भी भय नही है। मौजूदा वारदात में उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं कक्षा की एक 16 वर्षीय छात्रा रात के समय भारी बारिश के कारण ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर फंस गई थी। उसने एक निजी स्लीपर बस को हाथ देकर रोका, जिसने उसे नोएडा सेक्टर 63 छोड़ने की बात कही।बस में चढ़ने के बाद बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने किशोरी के साथ चलती बस में बलात्कार किया। यह बस करीब 47 किलोमीटर तक दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर दौड़ती रही और वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड पर उतार दिया। बस के शीशों पर गहरे पर्दे लगे हुए थे, जो दिल्ली-एनसीआर में नियमों के खिलाफ हैं और इसी वजह से बाहर से किसी को अंदर की घटना दिखाई नहीं दी।कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन में पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद, दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों आरोपियों कुलदीप और संदीप को गिरफ्तार कर लिया और बस को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

यहां आपको यह भी याद दिला देना जरूरी है कि अभी मई 2026 में भी दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में एक निजी स्लीपर बस के भीतर एक महिला के साथ बलात्कार की घटना हुई थी। पीड़िता एक फैक्ट्री में काम करके घर लौट रही थी। बस स्टैंड के पास खड़े बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को जबरन बस के अंदर खींच लिया और वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भी दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बस को तिमारपुर पार्किंग क्षेत्र से बरामद किया था।

सवाल फिर वही ज्यो का त्यों है कि देश की राजधानी ही लड़कियों के लिए महफूज क्यों नहीं है? वह भी तब जबकि निर्भया के रेपिस्ट हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई गई थी। आपको बता दें दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की घटनाओं का जिक्र होने पर 16 दिसंबर 2012 की घटना सबसे भयावह मानी जाती है। दक्षिण दिल्ली के मुनिरका इलाके में एक 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी छात्रा जिसका नाम बाद में निर्भया रखा गया अपने दोस्त के साथ एक निजी बस में चढ़ी थी। बस के चालक सहित 6 लोगों ने चलती बस में उसके साथ बेहद बर्बर तरीके से सामूहिक बलात्कार और जानलेवा हमला किया।पीड़िता की बाद में सिंगापुर के अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और कानून में कड़े बदलाव किए गए। मार्च 2020 में इस मामले के चार मुख्य दोषियों को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।यानि सख्त कानून और सजा भी अपराधियों को ऐसे घृणित अपराध से रोकने के लिए प्रभावी नहीं साबित हुआ है।

बेटी बचाओ अभियान के बावजूद बेटियों के विरुद्ध यौन अपराध चिंताजनक हद तक बढ़ गए हैं। हर आयु वर्ग की महिलाएं और बच्चियां इस अन्याय की शिकार बन रही हैं चंद वारदातों पर नजर डालिए

24 अगस्त को मुम्बई में खेल कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता गणेश प्रभाकर देवरुखकर के विरुद्ध एक 16 वर्षीय छात्रा ने जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग देने के दौरान उसके शारीरिक शोषण के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई। छात्रा का आरोप है कि घटना के दिन कोच ने उसे खींच कर अपनी गोद में बिठा लिया। उसने उसकी पकड़ से छूटने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ कर उससे छेड़छाड़ की।

24 अगस्त को पटियाला (पंजाब) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक छात्रा को धोखे से होटल में बुलाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।24 अगस्त को ही पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) में घूमने आई एक नाबालिगा के साथी को जीप से बांध कर उससे सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया।27 अगस्त को होशियारपुर (पंजाब) के गांव अरनियावाला शाहपुर के सरकारी मिडल स्कूल के हैडमास्टर अनुज वासुदेव को एक 12 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न और तंग करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। छात्रा के अनुसार उक्त अध्यापक उसके साथ अनुचित छेड़छाड़ करता और उसके शरीर को छूता था तथा किसी को बताने पर स्कूल से नाम काटने की धमकी देता था।

घटना के दिन आरोपी हैडमास्टर उसे जबरन अपनी गाड़ी में बिठाकर ले गया। रास्ते में गाड़ी रोक कर उसके मुंह में जबरन नशीली गोली डाल कर उससे बलात्कार करके उसे उसके घर के पीछे उतार कर चला गया।

31 अगस्त को ही बवाना (बाहरी उत्तरी दिल्ली) में एक निजी स्कूल की वैन के ड्राइवर विकास को स्कूल की एक 3 वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार यह घटना 29 अगस्त को तब सामने आई जब बच्ची की मां ने उसके गुप्त अंगों पर चोट के निशान देखे। पूछने पर बच्ची ने अपनी मां को बुरे अंकल के बारे में बताया। स्कूल के सी.सी.टी.वी. की जांच करने पर पता चला कि आरोपी ने बाथरूम जाने के दौरान बच्ची का पीछा किया और बच्ची को चाकलेट देने के बहाने वहां उसका यौन शोषण किया।

31 अगस्त को ही रंगारैड्डी (तेलंगाना) के एक निजी अस्पताल की 21 वर्षीय नर्स से बलात्कार के बाद उसकी हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

31 अगस्त को ही बरेली (उत्तर प्रदेश) में एक महिला से उसके पति के दोस्त ने नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार कर डाला। पुलिस को दी रिपोर्ट में महिला ने कहा है कि आरोपी ने घटना की अश्लील वीडियो भी बना ली और उसे वायरल करने की धमकी देकर उसके जेवरात भी लूट लिए।और अब 31 अगस्त को ही उमरिया (मध्य प्रदेश) के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के अध्यापक को 3 छात्राओं से छेड़छाड़ करने और उन्हें चाकलेट देने के बहाने अश्लील वीडियो दिखाने के आरोप में निलम्बित किया गया। अध्यापक ने लड़कियों को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने इस बारे किसी को बताया तो वह उन्हें डंडे से पीटेगा।

प्रतिदिन हो रहीं महिलाओं और बच्चियों के बलात्कार, यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ आदि की घटनाओं ने देश में नारी जाति की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, अतः इस तरह के सभी मामलों का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इनका फैसला करके दोषियों को कठोरतम दंड देने की जरूरत है, तभी इस बुराई पर रोक लग सकेगी। दिल्ली-एनसीआर में सार्वजनिक और निजी परिवहन की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। पर्दों और काली फिल्मों पर प्रतिबंध दिल्ली में चलती कमर्शियल बसों में खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म लगाना पूरी तरह अवैध है, फिर भी स्लीपर बसों में इनका धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। रात के समय अंतर-राज्यीय और निजी स्लीपर बसों की पर्याप्त चेकिंग न होना इन अपराधियों को बढ़ावा देता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

नीरज कुमार दुबे

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है।

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की साझी विरासत, भविष्य की रणनीतिक साझेदारी

हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरूआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरूआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है।

लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत

इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक

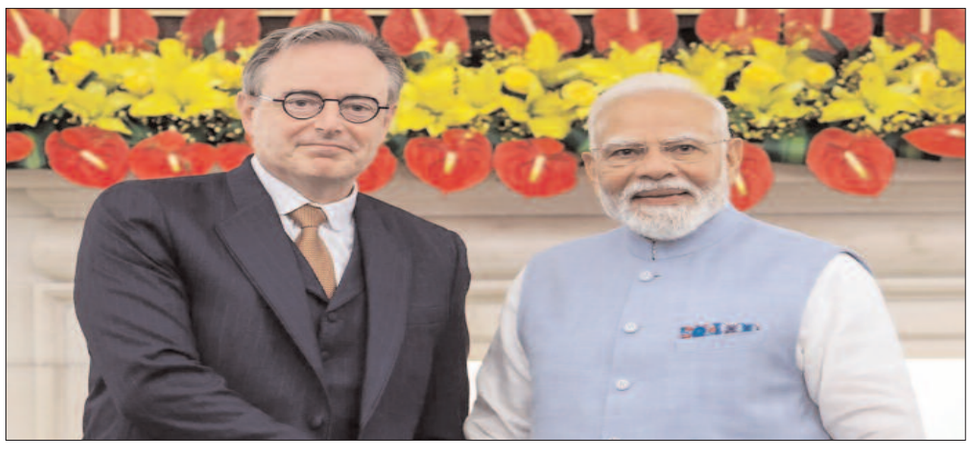

तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है।

बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

पांच साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रक्षा सहयोग: रिश्तों का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव

इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया।

साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है।

इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा।

ग्रीन हाइड्रोजन से समुद्री शक्ति तक

साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी और पंप्ड स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया।

समुद्री और बंदरगाह सहयोग भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एंटवर्प और फ्लैंडर्स की बंदरगाह विशेषज्ञता, भारत के तेजी से विकसित होते बंदरगाह नेटवर्क और हिंद महासागर में भारत की भूमिका मिलकर नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। लॉजिस्टिक्स, ड्रेजिंग, बंदरगाह विकास और अपतटीय पवन ऊर्जा में बेल्जियम की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी हो सकती है।

वैश्विक राजनीति में साझा संदेश

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने एक बार फिर विस्तारित और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की अस्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया।

यूक्रेन और पश्चिम एशिया पर दोनों देशों ने संवाद और कूटनीति के जरिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता पर जोर दिया। यह भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है जो किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय संवाद, बहुपक्षवाद और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देती है।

मोदी की कूटनीति का बड़ा संदेश

देखा जाये तो भारत-बेल्जियम संबंधों का नया अध्याय प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक कूटनीतिक सोच को दशार्ता है। मोदी ने पुराने हीरा व्यापार को आधुनिक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का प्रयास किया है। अब एंटवर्प-मुंबई-सूरत का संबंध सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, रक्षा उत्पादन, समुद्री संपर्क और निवेश से जुड़ रहा है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि भारत ने यूरोप के साथ अपने संबंधों को केवल बाजार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें सुरक्षा, तकनीक और भू-राजनीति से जोड़ दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सफलता इस बात में है कि भारत आज एक साथ अमेरिका, यूरोप, रूस और ग्लोबल साउथ के साथ अपने हितों के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। बेल्जियम के साथ यह नई साझेदारी भी उसी संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का उदाहरण है।

बहरहाल, हीरों की चमक से शुरू हुआ भारत-बेल्जियम संबंध अब हाई-टेक, हरित ऊर्जा और रक्षा सहयोग की नई रोशनी में प्रवेश कर रहा है। यदि तय समझौते जमीन पर उतरे, तो यह साझेदारी केवल दो देशों के रिश्तों को नहीं, बल्कि भारत-यूरोप के पूरे रणनीतिक समीकरण को नई दिशा दे सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अमीर और ताकतवर देशों में डर: 40% मानते हैं, 250 साल में खत्म होगा अमेरिका; निराशा की वजह क्या

लंदन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों पर खतरा, जलवायु परिवर्तन, युद्ध की आहट और गहराता आर्थिक ध्रुवीकरण...। पश्चिमी दुनिया (अमेरिका और यूरोप) के संपन्न देशों में हर हफ्ते सामने आने वाले ओपिनियन पोल्स एक ही बात दोहरा रहे हैं, लोग भविष्य को लेकर पहले कभी इतने ज्यादा आशंकित और डरे हुए नहीं थे। 2026 में सामने आए एक सर्वे में 5 में से 2 अमेरिकी नागरिकों (40%) ने आशंका जताई कि 2276 में अपनी स्थापना के 500 साल पूरे होने तक अमेरिका शायद एक देश के तौर पर बचेगा ही नहीं। अधिकांश लोगों का मानना है कि 2050 तक उनका देश कमजोर, आर्थिक रूप से पिछड़ा और राजनीतिक तौर पर और बंटा हुआ होगा। ब्रिटेन और फ्रांस जैसे अमीर देश संकटग्रस्त मुल्कों के साथ कतार में खड़े हैं। लेकिन इसके उलट, 55 देशों में किए गए यूनिसेफ और ग्लोबल सर्वे के आंकड़े बिल्कुल विपरीत तस्वीर पेश करते हैं। इंडोनेशिया, कीनिया, सऊदी अरब और कोलंबिया जैसे मध्यम आय वाले देशों के नागरिक अपने कल को लेकर पश्चिमी रईसों के मुकाबले कई गुना ज्यादा आशावादी हैं। साइंस जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित शोध के अनुसार, भविष्य को लेकर उम्मीद इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आज आपके पास कितनी दौलत हैं, बल्कि यह इस बात पर टिकी है कि आप किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जी-20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक; जर्मनी-फ्रांस ने भी उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने 'रोल मॉडल' की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी-जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुग्धता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तरक्की को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और शिपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा।

मिसाइलों के साए में पढ़ाई: यूक्रेन में जमीन के नीचे बने 74 स्कूल, बंकर में कैसे हो रही भविष्य की तैयारी

रियाबेंको, जापोरिजिया, एजेंसी। चार साल से लगातार बरसती मिसाइलों और लड़ाकू विमानों की गर्जना के बीच यूक्रेन के 74 स्कूल भविष्य की पीढी तैयारी करने में जुटे हैं। जमीन के ऊपर नजर डालें तो सिर्फ एक खुला खेल का मैदान या फुटबॉल का टर्फ नजर आता है। लेकिन कई मीटर गहरी मिट्टी और कंक्रीट की मजबूत दीवारों के नीचे उतरें, तो वहां नीले रंग की सुरंगों में सजी क्लासरूम्स, बेंचों पर झूलते छोटे-छोटे बच्चों के पैर और ब्लैकबोर्ड पर लिखे नए सत्र के सबक दिखाई देते हैं। दक्षिणी यूक्रेन के औद्योगिक शहर जापोरिजिया में स्कूल के पहले दिन का नजारा किसी साइंस-फिक्शन फिल्म या दुनिया खत्म होने के बाद के दृश्य जैसा लग सकता है। लेकिन चार साल से ज्यादा समय से रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन के माता-पिता के लिए ये अंडरग्राउंड बंकर-स्कूल किसी अभिशाप नहीं, बल्कि सबसे बड़े सुकून का जरिया हैं। यूक्रेन में अब ऐसे 74 पूरी तरह से भूमिगत स्कूल संचालित हो रहे हैं। किराने की दुकान चलाने वाले 39 वर्षीय ऑलेक्सांद्र लागिन, जिनके दो बेटे जमीन के नीचे पढ़ते हैं, साफ कहते हैं-ड्रोन और मिसाइलों के इस दौर में पाताल में गए बिना बच्चों को पढ़ाना नामुमकिन हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध के मोर्चे से महज 15 किमी दूर स्थित जापोरिजिया शहर राजधानी कीव की तुलना में बच्चों को निर्बाध शिक्षा देने के लिए बेहतर तैयार है। कीव में स्कूल के एक दिन में औसतन 158 मिनट तक हवाई सायरन बजते रहते हैं। सायरन बजते ही सभी क्लास के बच्चों को ठूंस-ठूंसकर सामान्य बेसमेंट में भर दिया जाता है, जहां पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाती है। जापोरिजिया में यूरोपीय फंडिंग से यहां 10 अत्याधुनिक भूमिगत स्कूल बनाए गए हैं।

ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता; मृतकों का आंकड़ा 1225 पहुंचा

काठमांडू, एजेंसी। तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिकों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इस आपदा में नेपाल के कई इलाकों में भारी तबाही हुई है। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक हो चुकी है, जबकि 4,875 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। फ्लैश फ्लड के एक सप्ताह बाद भी कई प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता छेत्री के मुताबिक, रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में बह गए कम से कम 19 लोगों के शव भारत में बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शव भोटेकोशी नदी से त्रिशूली और नारायणी नदी के रास्ते बहते हुए भारत पहुंचे। इन शवों को नेपाल की सीमा से लगे भारत के रुपन्देही और नवलपरासी पश्चिम जिलों के आसपास बरामद किया गया। नेपाल के अधिकारियों को शव सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

छेत्री ने बताया कि बाढ़ के दौरान तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हो गए। वहीं, तीर्थयात्रा और कारोबार के सिलसिले में तिब्बत गए करीब 3,000 नेपाली नागरिक वहां फंस गए थे। इनमें से 2,500 से अधिक नेपाली सुरक्षित रूप से नेपाल लौट चुके हैं। अधिकांश

लोगों ने हिल्सा और तातोपानी सीमा चौकियों के जरिए वापसी की, जबकि कुछ नागरिकों को हवाई मार्ग से भी नेपाल लाया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, तिब्बत के केरुंग सीमा क्षेत्र में अभी भी करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें सुरक्षित तरीके से नेपाल वापस लाने के लिए दोनों देशों के अधिकारी लगातार बातचीत कर रहे हैं।

ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता, परिवारों की उम्मीदें धुंधली : नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब तक लापता हैं। परिवार लगातार उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन प्रभावित इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। बाढ़ के दौरान तिमुरे स्थित चीनी इमिग्रेशन चेकपॉइंट के पास भारी तबाही हुई थी। इस घटना में स्थानीय संचार ढांचा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद लापता यात्रियों से संपर्क नहीं हो सका। ठाणे से यात्रा पर गए दो पर्यटकों के सुरक्षित घर लौटने की जानकारी है। अब तक जिले के डोंबिवली निवासी प्रकाश शांताराम माने और उनकी पत्नी प्रतिभा ही सुरक्षित वापस लौटे हैं। बाकी 10 यात्रियों के परिजन लगातार प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर उन्हें तलाशने की अपील कर रहे हैं। लापता यात्रियों में सतीश विनायक पाटणकर और उनकी पत्नी रेखा पाटणकर भी शामिल हैं। सतीश के भाई संजय पाटणकर ने बताया कि बाढ़ आने के बाद से परिवार का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अनुसार लापता यात्रियों में समीर मुकुंद जोशी, अपर्णा समीर जोशी, सुनील सुदर्शन सुभेदार, संजय राजमल पाटिल, नलिनी संजय पाटिल, रजनीश रघुनाथ नातू, यशस भंड और अभिषेक घोने शामिल हैं। इनके अलावा सतीश और रेखा पाटणकर भी लापता हैं। ठाणे जिला प्रशासन ने बताया कि लापता यात्रियों का पता लगाने के लिए नेपाल में आपदा राहत दलों और टूर ऑपरेटरों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अब तक 166 भारतीयों का रेस्क्यू, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक बुधवार को चीन से रवाना हो गए। भारत ने बुधवार को राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी। भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई। इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं। इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए। भारत अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री उपलब्ध करा चुका है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने राहत सामग्री नेपाल सरकार को सौंपी।

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की,

अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइबर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है। **24 अगस्त :** विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। **27 अगस्त :** विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा। **29 अगस्त :** कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।

अमेरिका: मिनियापोलिस में अपार्टमेंट के अंदर गोलीबारी से हड़कंप, संदिग्ध समेत दो की मौत; तीन पुलिस कर्मी घायल

लंदन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर के मध्य इलाके में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट इमारत में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी के संदिग्ध की भी मौत हो गई। मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन ने बुधवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। इनमें से दो को गोली लगी है। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर के अनुसार, तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है।

गोलीबारी में दो लोगों की मौत : पार्टेन ने बताया कि इमारत में गोली चलने की सूचना 911 पर शाम 4:30 बजे के ठीक बाद मिली। इसके तीन मिनट बाद पुलिस अधिकारी इमारत में दाखिल हुए और उन्हें ऊंची इमारत के अंदर घायल लोग मिले। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने और गोलियां चलने की आवाज सुनी और आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। वहां धुंध जैसी स्थिति थी, जिससे उनकी देखने की क्षमता काफी सीमित हो गई थी। पार्टेन ने कहा, ''यह बेहद दुखद घटना है और हमारी संवेदनाएं तथा प्रार्थनाएं उन परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। हम घायलों, घायल अधिकारियों और उनके परिवारों के साथ भी हैं।'' उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। पार्टेन ने कहा कि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि गोलीबारी करने वाले व्यक्ति की मौत कैसे हुई।

जूलियस बेली अपने अपार्टमेंट की इमारत के बाहर बैठे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को पिस्तौल लिए देखा, जिसे वह इमारत के निवासी के रूप में पहचानते थे। बेली ने बताया कि उन्होंने एक महिला को चीखते हुए सुना और तुरंत वहां से भागने लगे। उनके मुताबिक, उन्होंने आठ गोलियों की आवाज गिनी। बेली ने कहा कि वह बंदूक लिए व्यक्ति को पहचानते थे, क्योंकि वह अक्सर अपना हथियार दिखाने के लिए जाना जाता था।

क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला इस आधार पर मिल सकती है राहत

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए ड्रग तस्करी के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिरक्षा हासिल है। मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता।

किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो : वकीलों ने कहा, 'किसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं

की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में मान्यता हालि हो।' उन्होंने कहा, 'यह महज संयोग नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्राध्यक्ष अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत की आपराधिक कार्रवाई से मुक्त होते हैं।' मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ ड्रग तस्करी के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेलरस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है।

जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार : 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिलिया फ्लोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों ब्रुकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग दस्तावेजों में फ्लोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, 'यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।' मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण-आधारित संप्रभु प्रतिरक्षा भी हासिल है। मादुरो और फ्लोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था।

अगर जूरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। संघीय अभियोजकों को इन कानूनी दलीलों पर अपना जवाब इस महीने के अंत में दाखिल करना है। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि मादुरो ने वेनेजुएला के कानून-प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर ड्रग तस्करी के बड़े सरगनाओं की मदद की और अमेरिका में हजारों टन कोकीन भेजने की साजिश को अंजाम दिया।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और

तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद : रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान : बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

जीडीपी में वृद्धि से भारत ने दिखाया दम: अमेरिका में निवेशकों से बोलीं सीतारमण- वैश्विक संकट के बीच मजबूती कायम

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को अमेरिका में निवेशकों के साथ बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। उन्होंने इसे वैश्विक व्यवधानों के बीच उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। सीतारमण न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास और बैंक ऑफ अमेरिका की ओर से आयोजित उच्चस्तरीय बिजनेस राउंडटेबल में निवेशकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

सुधारों से निवेश का माहौल हुआ बेहतर : वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने आर्थिक सुधारों पर लगातार जोर दिया है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसे सुधारों के जरिए नियामकीय व्यवस्था में अधिक स्पष्टता लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से अनुपालन आसान हुआ है और कागजी कार्रवाई का बोझ कम करने में मदद मिली है। सरकार ने करीब एक दशक से कारोबार को सुगम बनाने और अनुपालन प्रक्रिया को सरल करने को प्राथमिकता दी है।

किन क्षेत्रों पर सरकार का फोकस : सीतारमण ने निवेशकों के सामने उन क्षेत्रों का भी जिक्र किया, जिन पर सरकार लगातार ध्यान दे रही है। इनमें पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण, बुनियादी ढांचे का विकास और उद्योग को लगातार समर्थन देना शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से विमानन क्षेत्र, निवेश के अनुकूल माहौल बनाने, एआई और डेटा सेंटर के विकास, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर को बढ़ावा देने तथा एमएसएमई के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों यानी एनपीए को कम करने की दिशा में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इन प्रयासों से बैंकिंग और उद्योग के लिए कारोबार, विस्तार और मजबूती का बेहतर माहौल तैयार हुआ है।

राजकोषीय अनुशासन पर भी जोर : वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने लगातार चुनौतियां रही हैं, लेकिन भारत ने पिछले कई वर्षों में राजकोषीय विवेक और वित्तीय अनुशासन के रास्ते को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें निवेश आकर्षित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश को सुविधाजनक बनाने को लेकर पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धी हुई हैं। इन प्रयासों को उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जोड़कर देखा।

विनय क्वात्रा ने भी भारत की आर्थिक ताकत को सराहा : अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कार्यक्रम के स्वागत भाषण में भारत की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों देश भारत की तेज आर्थिक वृद्धि से लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। इससे पहले विनय क्वात्रा ने न्यूयॉर्क स्थित नैस्डैक में भारत की ओर से ओपनिंग बेल बजाई। उन्होंने कहा कि भारत इस समय महत्वपूर्ण आर्थिक और तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

जन्मसिद्ध नागरिकता पर ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने नया आदेश रोका; सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई कोशिश को बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय जज डेबोरा एल. बोर्डमैन ने ट्रंप प्रशासन के नए कार्यकारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। जज ने यह रोक उस समय लगाई जब अप्रवासी परिवारों और अधिकार समूहों की ओर से दायर क्लास-एक्शन मुकदमे पर सुनवाई चल रही है। बोर्डमैन ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित श्रेणी में आने वाले बच्चे जन्म के समय अमेरिकी नागरिक हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का नियम : मौजूदा अमेरिकी कानून के तहत अमेरिका की जमीन पर जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिलती है। इसके कुछ अपवाद हैं। इस व्यवस्था की कानूनी नींव 1868 में 14वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद पड़ी थी। ट्रंप लंबे समय से जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने की मांग करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐसा कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से या अस्थायी स्थिति में रह रहे लोगों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। जून में सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रयास को खारिज कर दिया था।

नए आदेश में किन लोगों को निशाना बनाया गया : अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक नया और सीमित दायरे वाला कार्यकारी आदेश जारी किया। इसमें कुछ खास परिस्थितियों में

जन्मे बच्चों की स्वतः नागरिकता पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। इसमें ऐसे बच्चों का जिक्र था जिनके माता-पिता का संबंध विदेशी दूतावासों या संगठनों से हो अथवा जिन्हें अमेरिका का 'विदेशी दुश्मन' माना जाए। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' की भी बात की गई थी। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति से है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से गैर-आप्रवासी वीजा पर देश में प्रवेश करता है। अमेरिकी नियमों में पहले से ही ऐसी स्थिति को वीजा संबंधी कार्रवाई का आधार माना जा सकता है, यदि किसी व्यक्ति ने विशेष रूप से बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से वीजा हासिल किया हो।

परिवारों को किस बात का डर था : नए आदेश को चुनौती देने वाले परिवारों और संगठनों ने अदालत में कहा कि इसके कारण कई परिवारों में असमंजस और डर पैदा हुआ। कुछ परिवारों को आशंका थी कि उनके बच्चों को केवल इसलिए नागरिकता से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अमेरिका आने के लिए हवाई टिकट खरीदा और वहां पहुंचने के बाद गर्भधारण हुआ। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यकारी शाखा किसी व्यक्ति को 'विदेशी दुश्मन' मानने के लिए व्यापक नजरिया अपना रही है और कुछ मामलों में अनुमान या गलत जानकारी पर भी निर्भर किया जा सकता है। कुछ परिवारों ने चिंता जताई कि उनके बच्चों की नागरिकता इसलिए प्रभावित हो सकती है क्योंकि उनके विस्तारित परिवार का कोई सदस्य अपने देश में किसी गिरोह से जुड़ा था, जबकि माता-पिता खुद किसी गिरोह के सदस्य नहीं थे।

जज ने प्रशासन की दलील क्यों खारिज की : ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने अदालत से कहा कि आदेश को रोकने की मांग अभी समय से पहले है। उनका तर्क था कि इसे लागू करने वाली संघीय एजेंसियां अभी जारी नहीं हुई आधिकारिक गाइडलाइन के आधार पर उचित तरीके से कार्रवाई करेंगी। जज बोर्डमैन ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन चाहे कुछ भी कहे, 2026 का कार्यकारी आदेश एजेंसियों को बच्चों की कई व्यापक श्रेणियों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने से रोकने का निर्देश देता है।

धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये।

धान के खेत में उत्तम पैदावार देती है

'अलसी'

जलवायु

अलसी की फसल को ठंडे व शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है इसके उचित अंकुरण के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस सेंटीग्रेट तथा बीज बनते समय 15-20 सेल्सियस सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिये।

भूमि की तैयारी

अलसी की फसल के लिए काली, भारी एवं दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त होती है धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये। धान के खेतों में समय-समय पर खरपतवार निकालकर खेत को नींदा रहित करते हुये साफ रखना चाहिये।

फसल प्रणाली

अलसी को मुख्य फसल के रूप में लगाने के बजाय मिलवा या अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने से अधिक आय संभव हैं। अंतरवर्तीय फसल पद्धति के अंतर्गत अलसी के साथ 3:1 के अनुपात में चना, सरसों, मसूर को भी लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत किस्में

जवाहर 16, जेएलएस 9,जवाहर 23, पूसा 2

बीजोपचार

थारयम या कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें व बीजोपचार के बाद राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से 5-5 ग्राम/कि. बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें।

बीज की गहराई

अलसी के बीज को नमी के आधार पर भूमि में 3 सेंमी की गहराई पर बुवाई करें. यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो उथली बुवाई लाभदायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद उपलब्ध होने पर अंतिम व बखरनी के समय 4-5 टन प्रति हेक्टेयर खेत में मिला दें। असिंचित अवस्था में 65:125 किलोग्राम, यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व पोटाश प्रति हेक्टेयर सम्पूर्ण खाद बुवाई के समय में ही खेत में डालें। सिंचित अवस्था में 174:125:30:0 किलो ग्राम यूरिया, सिंगल सुपर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की 2/3 मात्रा व स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें तथा नत्रजन की शेष 1/3 मात्रा को पहली सिंचाई के समय दें एवं उतेरा पद्धति में 20 किलो नत्रजन अलसी के फसल में दें।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी की फसल को बुवाई से 30-35 दिन तक खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिये। फसलों को नींदा रहित रखने के लिए बुवाई के 15-20 दिन बाद पहली निंदाई-गुड़ाई करनी चाहिये या रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के अंतर्गत पेंडीमिथालीन खरपतवार -नाशक की 3.33 लीटर मात्रा को 600-700 ली. पानी में घोल बनाकर बीज के अंकुरण पूर्व उपयोग करें।

सिंचाई

अलसी की फसल में सिंचाई करने से उत्पादन में वृद्धि होती है अतः सिंचाई उपलब्ध होने पर पहली सिंचाई शाखा बनते समय व दूसरी सिंचाई कली बनने की अवस्था में करने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

मसूर

की उन्नत खेती

भूमि

मसूर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। किंतु सफल खेती के लिए दोमट और भारी भूमि इसके लिए अधिक उपयुक्त है। भूमि का पीएच मान 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए।

भूमि की तैयारी

भूमि की तैयारी इस प्रकार करना चाहिए कि मिट्टी भुरभुरी तथा खरपतवार से रहित हो जाये। भारी भूमि में एक गहरी जुताई के बाद दो हल्की जुताई हो या देशी हल से करना चाहिए तथा प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाना चाहिए। जिससे नमी संरक्षित रहे।

बीज की मात्रा एवं बोने की विधि

सामान्यत: 35-40 किग्रा/हे. बीज बोना चाहिए। समय पर बोनी के लिए कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा देरी से बोनी करने पर 20-25 सेमी. पर कतारों में बीज की 4-5 सेमी की गहराई पर सीडड्रिल से बोना चाहिए। थाईरम 2 ग्राम, 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करके बोना चाहिए। इसके बाद बीज को 10 ग्राम राइजोबियम तथा 10 ग्राम पीएसबी कल्चर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बोनी करें।

बुवाई समय

असिंचित क्षेत्रों में नमी उपलब्ध रहने पर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। इसके बाद बोनी करने पर पकने की अवस्था पर तापक्रम बढ़ने में दाना छोटा व उपज में कमी आती है।

उन्नत जातियां

के 75 (मल्लिका), जे.एल. - 1, एल. - 4076, जे.एल. 3, आईपीएल - 18, एल. 9-2

खाद एवं उर्वरक

असिंचित अवस्था में 15 :30 :10 कि.ग्रा./हे. यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा सिंचित खेती करने पर 43 :350 :33 किग्रा/हे. नत्रजन स्फुर एवं पोटाश बुवाई के समय खेत में डालना चाहिए।

सिंचाई

सामान्यत : बारानी खेती में ही मसूर की फसल को लिया जाता है। परन्तु यदि शीतकाल मे वर्षा का अभाव हो तो एक सिंचाई करने पर उपज में वृद्धि होती है।

फसल चक्र

धान-मसूर, सोयाबीन-मसूर, उड़द-मसूर, ज्वार-मसूर, बाजरा-मसूर
अंतरवर्तीय खेती : मसूर-सरसों (4:1), मसूर-जौ (4:2)

कटाई एवं गहाई

फसल पकने की अवस्था में पीली पड़कर सूखने लगती है। फसल की कटाई कर खलिहान में बैलों या ट्रेलर से गहाई कर पंखे से सफाई करना चाहिए तथा बीज को सुखाकर भंडारित करना चाहिये।

मुर्गियों की देखभाल

उपरोक्त इन लक्षणों के दिखाई देने पर ये उपाय करें

- बाड़े के चारों ओर छत से सटकर कम से कम दस फीट चौड़ा हरे रंग के जालीदार कपड़े का मंडप लगवाये जिससे धूप तथा गर्मी की तीव्रता कम हो जायें.
- बाड़े के छत को ऊपर सफेद पेंट लगवाये या फिर ऊपर घांसफूस डलवायें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम 4 डिग्री सें. से कम होता है.
- बाड़े के चारों ओर ठंडे जल का छिड़काव करें.
- बाड़े की खुली बगलों पर टाट/बोरियों के पतले पर्दे लगवाकर उस पर छिद्रधारी पाईप द्वारा या अन्य तरीके से पानी का छिड़काव करें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम काफी हद तक कम हो जाता है.
- अगर संभव है तो बाड़े में धीरे-धीरे घूमने वाले पंखे लगायें तथा फव्वारे द्वारा बाड़े में पानी की बारीक बूंदों में बौछार करें. यह बाडे के भीतर का तापक्रम कम करने का बेहतरीन तरीका हैं.
- बाड़े के इर्दगिर्द घने छायादार वृक्ष पहले ही लगायें तथा मुर्गी फार्म की बाड हरे घने पत्तेदार वनस्पति जैसे सुबबूल, मेहंदी या वर्ष के गर्मी के मौसम में जो भी स्थानिक वनस्पति हरी भरी रहती हैं वह लगवायें. इससे गर्म हवाओं के थपेड़े कम आते हैं. और मुर्गी फार्म का वातावरण ज्यादा गर्म नहीं होता.

कैसे पालें नवजात बछड़े

- **व्यवस्था** : नये जन्मे बछड़े का स्वास्थ्य तथा जीवन निर्भर करता है. बछड़े को पालने की व्यवस्था की परिकल्पना पूर्णत : बन्द बसेरों (बार्न) से लेकर कम से कम आश्रय तक होती है। बछड़े के तबेले का वातावरण इस तरह होना चाहिए कि बछड़े को कम से कम तनाव हो, फर्श सूखा तथा साफ हो. गर्मी, ठण्ड, हवा और बारिश से सुरक्षा आवश्यक है. हमारा प्रबंधन ऐसा हो कि पशु को पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो जिससे कि वह सुख से रहे तथा पर्याप्त वायु संचार हो.
- **बछड़ों का बाड़ा** : अलग बाड़ा बछड़ों को अलग रखने में मदद करता है जिससे संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है तथा हम आसानी से बछड़े के आचरण, भोजन का उपभोग, मल तथा मूत्र त्याग आदि सभी का निरीक्षण कर सकते हैं.
- **झोपड़ी** : अलग झोपड़ी जो कि लगभग 4×8 फिट की लकड़ी की बनी झोपड़ियों में बछड़ों को पाल सकते हैं. थोड़ी छोटी पृथक्झोपड़ियों में बछड़ों को दो से तीन करके पाल सकते हैं. बाड़ों की तुलना में झोपड़ियों में ज्यादा मेहनत लगती है लेकिन झोपड़ियों में बिना दूध दोहे बछड़ों को पूर्णत : अलग करने में मददगार होते हैं. झोपड़ियां आसानी से घुमायी और परिवर्तित की जा सकती हैं ताकि हम सूर्य के प्रकाश, तापमान व वायु के प्रवाह को आसानी से व्यवस्थित कर सकें. झोपड़ियों को आसानी से साफ रख सकते हैं. फाइबर ग्लास व पॉलीथिन की झोपड़ियां, लकड़ी की झोपड़ियों व धातु के बाड़ों की तुलना में आसानी से बनाई जा सकती है लेकिन सूर्य के तापमान को कम करने के लिए यह आवश्यक है कि यह अपारदर्शी हो.
- **बन्द मकान** : मकान जिसमें बंद व अलग बाड़ा हो बन्द मकान कहलाता है. बन्द मकान में सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु पर्याप्त वायु संचार होता है. वातावरणीय रूप से नियंत्रित बंद मकान बनाने व रख-रखाव में मंहगे होते हैं.

यह भी रखें ध्यान

- अंडा उत्पादक मुर्गियों को पीने हेतु ठंडा जल प्रदान करें. पानी की टंकियों को सफेद रंग लगवाये या उनको बोरियाँ लपेटकर तथा उन पर पानी छिड़ककर गीला रखें. बड़े मटके या नाँद में एक दिन पहले शाम को पानी भरकर रखें तथा दूसरे दिन ठंडा जल गर्मियों के वक्त थोड़ा-थोड़ा उपलब्ध करवायें.
- पीने के पानी में इलेक्ट्रोलाईट पाउडर घोलकर प्रवाहित करें ताकि मुर्गियों को वह उपलब्ध हो.
- पीने के पानी में विटामिन 'सी' एक हजार मुर्गियों को दस ग्राम इस अनुपात में डालें.
- अगर सघन बिछाली प्रणाली/डीप लीटर (यानि भूसे पर मुर्गियां रखी हैं. तो भूसे को सबेरे और शाम को ही उलट-पुलट करें.
- मुर्गियों के दाने/मॅश पर पानी हल्का सा डालें ताकि धूल ज्यादा ना उठें.
- मुर्गियों के दाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ायें. ताकि उनके शरीर भार में कमी ना आये.
- बाड़े के आसपास घांसफूस के लॉन (क्यारियाँ) लगवाये इससे सूरज की किरणों से तपती धरती से निकलने वाले किरण कम सान्द्र होते हैं. और आसपास का वातावरण ठंडा रहता हैं. इन क्यारियों पर पानी छिड़ककर उन्हें ठंडा रखें.
- मुर्गियों को सीप चूरा खिलायें ताकि कैल्शियम की पूर्ति होकर अंडों के छिलके पतले ना बनें.
- बाड़े में मुर्गियाँ इतनी ही रखें जिससे बाड़े में वे आराम से रह सके और कतई भीड़ न हो.
- मुर्गियां बाड़े में तितर-बितर होकर दूर -दूर खड़ी रहती हैं ये सुस्त दिखाई देती हैं.
- कुछ मुर्गियां शरीर की गर्मी कम करने हेतु पंख फैलाकर रखती हैं.
- कुछ मुर्गियाँ लगातार चोंच खोलती हैं तथा बंद करती हैं और
- कुछ मुर्गियों को सांस लेने में कठिनाई होती हैं.
- कुछ मुर्गियां गर्मी का असर कम करने हेतु अपने पिछले हिस्से पर चोंच मारकर पंख तोड़ने की कोशिश करती हैं.
- ज्यादातर मुर्गियाँ बारबार पानी पीने हेतु पानी के बर्तनों के पास ही दिखाई देती हैं.
- ज्यादा गर्मी होने पर कुछ मुर्गियाँ बेहोश भी हो सकती हैं.
- उनके शरीर भार में कमी आती हैं और वे कमजोर हो जाती हैं.
- उनके अंडों का वजन तथा आकार कम हो जाता हैं तथा अंडों के छिलके पतले हो जाते हैं.

मुख्यमंत्री ने 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों को जारी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

अगस्त माह में 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत माह अगस्त 2026 की पेंशन किस्त का वन-क्लिक के माध्यम से भुगतान किया। इसके माध्यम से 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के खातों में 147 करोड़ 05 लाख रुपये की पेंशन धनराशि भेजी गई। अगस्त माह में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन भी स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सरलता एवं समयबद्धता से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन का भुगतान कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन व्यवस्था को सरल, पारदर्शी एवं लाभार्थी केंद्रित बनाते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिन पात्र लाभार्थियों का किसी कारणवश आधार नहीं बन पा रहा है, उन्हें चिन्हित कर उनके लिए अकाउंट बेस्ड पेमेंट की व्यवस्था की जाए, ताकि आधार संबंधी समस्या के कारण कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन के लाभ से वंचित न रहे। प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि अगस्त 2026 में वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण-पोषण अनुदान, तीलू रौतेली एवं बौना पेंशन योजनाओं के कुल 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के लिए 147 करोड़ 05 लाख 51 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है।

बदरीनाथ की यात्रा कर निचले क्षेत्रों में पहुंची माता इंद्रामति की डोली

पीपलकोटी। बदरीनाथ धाम की यात्रा करने के बाद अब टेड़ा–खंसाल क्षेत्र की आराध्य देवी माता इंद्रामति की दिवारा यात्रा अब निचले क्षेत्रों में पहुंच गई है। शुक्रवार को डोली रात्रि प्रवास के लिए पीपलकोटी के मायापुर गांव पहुंची। यहां माता की यहां विशेष पूजाएं हुईं। मां इंद्रामति 15 वर्ष बाद बदरीनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचीं।

बीती 29 अगस्त को माता की डोली एक दिन भगवान बदरीनाथ के सानिध्य में रही और 30 को डोली वसुधारा पहुंची। यहां पवित्र स्नान के बाद डोली ज्योतिर्मठ, हेलंग, गुलाबकोटी, लंगसी, पाखी गांव होते हुए मायापुर गांव पहुंची। पंडित दुर्गा प्रसाद मैठाणी ने बताया कि माता की डोली भक्तों को दर्शन और आशीर्वाद दे रही है।

भारत की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा में शिक्षकों का है सर्वोच्च स्थान : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद् एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए कहा कि शिक्षक सही मायने में राष्ट्र निर्माता हैं। विद्यार्थियों को शिक्षित करने, उनका चरित्र निर्माण कर योग्य नागरिक बनाकर समाज को नई दिशा देने तथा राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा में शिक्षकों का सदैव सर्वोच्च स्थान रहा है। शिक्षकों का ज्ञान, समर्पण और मार्गदर्शन विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने की भी प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वही देश और समाज आगे बढ़ता हैं, जहां गुरुजनों का सम्मान होता है। गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की भारतीय परम्परा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हमें प्रयासरत रहना होगा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए आह्वान किया कि वे गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना का अनुसरण कर देश व प्रदेश के विकास में सहभागी बनें। मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनका समर्पण और योगदान, भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की राह प्रशस्त करता है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूलों में दो साल का नशा मुक्ति अभियान शुरू

कर्णप्रयाग। जनपद के विद्यालयों में शिक्षा विभाग ने नशा निषेध के लिए दो साल का अभियान शुरू किया है। यह अभियान सितंबर 2026 से अगस्त 2028 तक चलेगा। इसका जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से बचाना है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने नशे के बढ़ते प्रचलन को देखते हुए यह पहल की है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी तेजी से इसकी चपेट में आ रही है। यह अभियान 1 सितंबर से शुरू हुआ है। इसमें जागरूकता रैली, पोस्टर, नारा लेखन, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और लघु फिल्म जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। हस्ताक्षर अभियान और संवाद सत्र भी इन गतिविधियों का हिस्सा होंगे। सितंबर 2026 में नशा निषेध शपथ ली गई। अक्तूबर में जागरूकता रैली और नवंबर में पोस्टर प्रतियोगिता होगी। दिसंबर में नारा लेखन और जनवरी में भाषण प्रतियोगिता होगी। इस तरह अगस्त 2028 तक विभिन्न कार्यक्रम जारी रहेंगे।

चंबा ब्लॉक की संस्कृत प्रतियोगिता 23 और 24 को

नई टिहरी। संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए उत्तराखंड संस्कृत संस्थानम् की ओर से ब्लॉक स्तर पर छह प्रकार की संस्कृत स्पर्धा आयोजित की जा रही है। स्पर्धा के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खंड संयोजक केबी सिंह ने बताया कि स्पर्धा कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से 10 वीं तक और वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11 से एमए,एमएससी के छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं। स्पर्धा में मान्यता प्राप्त विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं। खंड संयोजक ने बताया कि चंबा ब्लॉक की स्पर्धा 23 और 24 सितंबर 2026 को राजकीय संस्कृत महाविद्यालय चंबा में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में संस्कृत नाटक, समूह गान, समूह नृत्य संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता, आशु भाषण, श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। ब्लॉक के बाद जिला और उसके बाद राज्य स्तर पर भी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

घर का ताला तोड़कर गहने चोरी

नरेंद्रनगर(टिहरी)। नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर दो में रेडक्रॉस स्कूल के पास चोरों ने दिन दहाड़े धमांदा भवन का ताला तोड़कर गहने चुरा लिए। भवन स्वामी राजपाल धमांदा ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह दुकान पर गए थे। करीब साढ़े 11 बजे उनकी पत्नी भी कीर्तन में शामिल होने चली गईं। घर पर कोई नहीं था। इस दौरान चोर मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी का ताला तोड़कर तिजोरी में रखे सोने–चांदी के जेवर चोरी कर फरार हो गया। घटना का पता चलने पर राजपाल धमांदा के पुत्र गौरव ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं स्थानीय लोगों ने चोर को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्रियान्वयन के निर्देश

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी निस्तारण, रिसाइक्लिंग व वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने केदारनाथ एवं सोनप्रयाग स्थित एमआरएफ सेंटरों में एकत्रित कूड़े का शीघ्र निस्तारण करने और सामग्री को रिसाइक्लिंग के लिए भेजा जाए।

उन्होंने रिसाइक्लिंग कंपनी के प्रतिनिधि, हिलिंग हिमालयन के मैनेजर तथा नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक से कहा कि जनपद में ठोस अपशिष्ट के प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित कार्यदायी संस्था एवं निकाय आपसी समन्वय के साथ कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में एकत्रित होने वाले कूड़े का निर्धारित प्रक्रिया के तहत पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण एवं रिसाइक्लिंग की जाए ताकि अपशिष्ट का अधिकतम उपयोग किया जा सके और लैंडफिल पर निर्भरता को कम किया जा सके।

स्कूलों में सात से होगा दक्षता आंकलन

रुद्रप्रयाग। जनपद के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की वास्तविक अधिगम स्थिति परखने के लिए 7 सितंबर को दक्षता आधारित आकलन कराया जाएगा। पहले चरण में कक्षा 2, 5 और 8 के विद्यार्थियों का मूल्यांकन होगा जिसके बाद सुधारात्मक शिक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चौधरी के अनुसार डायट रतूड़ा से प्रश्नपत्र 6 सितंबर तक विद्यालयों में पहुंचाए जाएंगे। पहले आकलन के बाद 28 सितंबर को मध्यावधि आकलन होगा और कमजोर दक्षता वाले विद्यालयों को बीआरपी–सीआरपी, डायट फैकल्टी व एनजीओ के माध्यम से सहयोग दिया जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए थाती दिगधार के आठ छात्रों का चयन

अगस्त्यमुनि। जउमावि थाती दिगधार के आठ छात्र–छात्राओं ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा 2026–27 में सफलता हासिल की है। परीक्षा में कक्षा छह से अर्शिता, अपर्णा व प्रिया व कक्षा नौ से वर्षा, आस्था, अनुष्का, वंशिका व अनुराग का चयन हुआ है।

लैंड बैंक तैयार करने की कवायद तेज

रुद्रप्रयाग। जनपद में लैंड बैंक तैयार किए जाने को लेकर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में जनपद में उपलब्ध विभिन्न श्रेणी की भूमि का चिह्नीकरण, मैपिंग एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को अपने–अपने विभाग के अंतर्गत आने वाली भूमि का सर्वेक्षण एवं मैपिंग करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि लैंड बैंक तैयार करने का उद्देश्य उपलब्ध भूमि की स्पष्ट एवं व्यवस्थित जानकारी तैयार करना है जिससे भविष्य में विभिन्न विकासात्मक एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता का आकलन आसानी से किया जा सके। उन्होंने दोनों विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा जीआईएस एक्सपर्ट की सहायता से जनपद में डिग्रेडेड भूमि का भी चिह्नीकरण एवं मैपिंग करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीएफओ विनीत कुमार, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम, पारंपरिक मेला बना आकर्षण का केंद्र

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। नगर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, प्रसिद्ध गांधी चौक में आयोजित पारंपरिक मेले ने जन्माष्टमी के उत्सव को और भव्य बना दिया।

मेले में सुबह से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जबकि शाम होते-होते गांधी चौक में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रंग-बिरंगी रोशनी से सजे बाजार और दुकानों से निकलती चहल-पहल ने पूरे क्षेत्र को उत्सव के रंग में रंग दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग के लोग मेले का आनंद लेते नजर आए। बच्चों में झूलों और मनोरंजन के साधनों को लेकर खासा उत्साह रहा, वहीं महिलाओं और लोगों ने विभिन्न दुकानों पर खरीदारी की। गांधी चौक का नजारा देर शाम तक बेहद जीवंत बना रहा। मेले में लगे खान-पान के स्टॉलों पर भी लोगों की भीड़ दिखाई दी। स्थानीय व्यंजनों

और विभिन्न प्रकार की दुकानों ने मेले की रौनक बढ़ा दी। लोगों की चहल-पहल, बच्चों की खिलखिलाहट और धार्मिक गीतों से पूरा गांधी चौक गुलजार रहा। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया। राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। रात में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय शंखनाद और घंटियों की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। स्थानीय नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों ने भी धार्मिक आयोजनों और पारंपरिक मेले का जमकर आनंद लिया। जन्माष्टमी के अवसर पर लैंसडौन की शांत वादियों में भक्ति, संस्कृति और मेले की रौनक का अनूठा संगम देखने को मिला।

डॉ. अनुराग शर्मा एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर चमोली में वाणिज्य संकाय में सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत्त डॉ. अनुराग शर्मा को गुरूवार को जयपुर में संपन्न शिक्षक सम्मान समारोह में मौर्य एकेडमी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनुराग शर्मा को यह अवार्ड उनके शिक्षण, शोध एवं लेखन कार्य हेतु दिया गया। विवेकानंद कन्या समिति हर वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करती है।

इस वर्ष यह आयोजन स्वामी विवेकानंद बालिका शिक्षा प्रचार समिति एवं मौर्य एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय जयपुर में किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र मौर्य ने डॉ. अनुराग शर्मा के जयपुर में उपस्थित ना होने के कारण स्वयं पुरस्कार प्राप्त किया तथा दूरभाष के माध्यम से डॉ. शर्मा को अवगत कराया। डॉ. अनुराग शर्मा वर्ष 2010 से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत्त हैं तथा शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। इससे पहले उन्हें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके साथ-साथ उन्हें रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, साहित्य रत्न अवार्ड, वॉइस ऑफ नेशन अवॉर्ड, सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार समय-समय पर मिलते रहे हैं। डॉ. शर्मा अपने छात्र-छात्राओं, साथी प्राध्यापकों तथा शिक्षण, शोध एवं साहित्य के क्षेत्र में लोकप्रिय हैं।

अधिवक्ता से बदसलूकी का आरोप, कोतवाली में किया प्रदर्शन

डोईवाला। अधिवक्ता के साथ कुछ लोगों की ओर से कथित रूप से बदसलूकी किए जाने का मामला सामने आया। मामले में शुक्रवार को परवादून बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने कोतवाली डोईवाला पहुंचकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने कोतवाली में तहरीर देकर संबधित लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि बृहस्पतिवार शाम को डोईवाला के अधिवक्ता विशाल अग्रवाल से माजरी ग्रांट में एक भूमि मामले के संबंध में कुछ लोगों ने कथित रूप से बदसलूकी की। बदसलूकी करने वाले लोग जमीनों के कारोबार से जुड़े हुए हैं। शुक्रवार को परवादून बार एसोसिएशन के अध्यक्ष फूल सिंह वर्मा और सचिव मनोहर सिंह सैनी के नेतृत्व में तमाम अधिवक्ता कोतवाली पहुंचे और प्रदर्शन कर अधिवक्ता के साथ बदसलूकी करने पर आक्रोश व्यक्त किया। सचिव मनोहर सिंह सैनी ने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ बदसलूकी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिवक्ताओं के हितों के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

अशुद्ध मानसिकता का शुद्धिकरण करने की जरूरत

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा, हल्द्वानी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद कार्यक्रम स्थल पर शुद्धिकरण का मामला भाजपा की अशुद्ध मानसिकता को दर्शाता है। ऐसी मानसिकता को शुद्धिकरण करने की आवश्यकता है।

हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि शुद्धिकरण करने वालों का सीधा संबंध भाजपा व आरएसएस से है। इस मामले में प्रदेश व केंद्र सरकार की चुप्पी हैरानी करती है। शुद्धिकरण संविधान का अपमान व कानून का उल्लंघन है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे के साथ इस तरह की घटना हो रही है तो गांव में रहने वाला व्यक्ति को किस तरह का अपमान झेलना पड़ता होगा। शुद्धिकरण करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए, जो अभी तक नहीं हुई है। कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

पर्थाडीप में छह घंटे बंद रहा बदरीनाथ हाईवे, फंसे रहे 500 तीर्थयात्री

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे पर नंदप्रयाग के पर्थाडीप में भूस्खलन के कारण करीब छह घंटे तक वाहनों की आवाजाही थमी रही। इस कारण जाम लग गया और करीब 500 तीर्थयात्री फंसे रहे। पुलिस प्रशासन की ओर से छोटे वाहनों की आवाजाही नंदप्रयाग–सैकोट–कोठियालसैंण सड़क से करवाई गई। पर्थाडीप में बारिश होने पर फिर से भूस्खलन होने का खतरा बना हुआ है।

पर्थाडीप में फिर से भूस्खलन सक्रिय हो गया है। यहां पहाड़ी से रुक–रुककर मलबा हाईवे पर गिर रहा है जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। बीते दिनों यहां एनएचआईडीसीएल की ओर से हाईवे के करीब 20 मीटर हिस्से को आरसीसी रोड में तब्दील किया गया जबकि लगभग 40 मीटर हिस्से में मलबे का निस्तारण किया गया। मगर भारी बारिश के कारण भूस्खलन फिर से शुरू हो गया है। शुक्रवार को बारिश के बीच सुबह छह बजे हाईवे पर भारी मात्रा में मलबा आ गिरा और हाईवे बंद हो गया। इस कारण हाईवे के दोनों ओर से वाहनों की लंबी लाइन लग गई।

बैरागना में दिनभर बंद रहा चमोली–कुंड हाईवे

गोपेश्वर। मंडल घाटी के साथ ही रुद्रप्रयाग जनपद के ऊखीमठ क्षेत्र को यातायात से जोड़ने वाले चमोली–कुंड हाईवे पर मलबा गिरने से शुक्रवार को दिनभर वाहनों की आवाजाही ठप रही। एनएच की दो जेसीबी बैरागना में हाईवे पर आए टनों मलबे को हटाने में जुटी रही। शाम साढ़े पांच बजे मलबे के बीच से रास्ता खोला गया और वाहनों की आवाजाही सुचारु हुई। तब जाकर सुबह से हाईवे के दोनों ओर रोके गए वाहनों को रवाना किया गया। हालांकि बारिश होने पर फिर हाईवे बंद होने का खतरा बना हुआ है।

सुबह आठ बजे वाहनों की अधिक संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से छोटे वाहनों को सैकोट सड़क से भेजा गया। बारिश बंद होने के बाद एनएचआईडीसीएल की ओर से दो जेसीबी से मलबा हटाया गया और दोपहर करीब 12 बजे वाहनों की आवाजाही सुचारु हो पाई।

इस दौरान बदरीनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे और यात्रा कर लौट रहे करीब 500 तीर्थयात्री भी घंटों जाम में फंसे रहे। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि पर्थाडीप में दो मशीनों को 24 घंटे तैनात किया गया है। मौसम सामान्य होने पर भूस्खलन क्षेत्र का उपचार किया जाएगा।

राधा–कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

अगस्त्यमुनि। कृष्ण जन्माष्टमी पर्व शुक्रवार को बहुउद्देशीय क्रीड़ा परिसर में अगस्त रामलीला कमेटी की ओर से जन्माष्टमी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बारिश के बीच राधा–कृष्ण के रूप में सजे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रामलीला कमेटी के अध्यक्ष कमलेश जमलोकी ने किया। राधा–कृष्ण नृत्य प्रतियोगिता में 39 जोड़ियों ने प्रतिभाग किया। नन्हें कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा प्रतियोगिता में अनन्या व आस्था प्रथम रही। द्वितीय स्थान प्रत्युस्था व अंशिका एवं

तृतीय स्थान आरुषि व आराध्या, चतुर्थ अवनी व ऋषिका एवं पंचम स्थान वैष्णवी व अंशिका को मिला। निर्णायक मंडल में माधव सिंह नेगी, ललित रौतेला और अंकित रावत शामिल रहे। मंच संचालन गंगाराम सकलानी ने किया। कार्यक्रम में वीरांगना संगठन की महिलाओं एवं अगस्त्य रामलीला कमेटी के समस्त सदस्य मौजूद रहे। शाम को जवाहर नगर क्षेत्र से अगस्त्यमुनि तक बच्चों ने झांकी निकाली। इस दौरान विनीता रौतेला, नगर सभासद उमा कैंतुरा एवं हिमांशु भट्ट, व्यापार संघ अध्यक्ष त्रिभुवन नेगी उपस्थित रहे।

मां काली और चामुंडा देवरा यात्रा पर

गुप्तकाशी/फाटा। कालीमठ घाटी की मां काली और जाल मल्ला की मां चामुंडा इन दिनों देवरा यात्रा पर हैं। मां काली अपनी द्वितीय चरण की देवयात्रा के 13वें दिन त्यूड़ी में श्रद्धालुओं को दर्शन देने के बाद रात्रि प्रवास के लिए खुमेरा पहुंचीं। यात्रा का अंतिम पड़ाव केदारनाथ धाम है। वहीं जाल मल्ला की मां चामुंडा अपनी तृतीय चरण की देव यात्रा के चौथे दिन कुणजेठी गांव पहुंचीं। यहां ग्रामीणों ने मां चामुंडा के दर्शन कर पूजा–अर्चना की। देवयात्रा के दौरान मां चामुंडा विभिन्न गांवों का भ्रमण करेंगी और इसके बाद बदरीनाथ धाम के दर्शनों के लिए जाएंगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

एशियन गेम्स 2026

वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे । इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की । मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं ।

नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है । ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे । मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे । लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी । ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था । भारतीय पुरुष और महिला टीमें एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांगजो खेलों में खिताब जीता था । ऋतुराज गायकवाड़ ने एशियन गेम्स में मुख्य रूप से दूसरी पंक्ति की भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि हरमनप्रीत कौर ने महिला प्रतियोगिता में 'विमन इन ब्लू' को गोल्ड मेडल दिलाया था ।

इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिखकर जेको ने फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली । बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है । बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अक्टूबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशंस लीग में स्वीडन का सामना करेगी । एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है । 40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया । जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता था कि यह पल कब आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा । 2 अक्टूबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा । मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ । कुछ भी नहीं । यह मेरा बचपन का सपना था । फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला ।' जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं । उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूं, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदला ।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुकाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं । अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की । 2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था । टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ह्यहै कि अब पीछे हटने का सही समय है ।उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है ।

चाइना मास्टर्स

भारत के किदांबी श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

यियू की चुनौती से नहीं पा सके पार

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चीन मास्टर्स सुपर 750 में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेक यियू से सीधे गेम में मिली हार से समाप्त हो गया। इस 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी ली चेक से 16-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहते हुए फॉर्म में वापसी की झलक दिखाई थी।अब सेमीफाइनल में ली चेक का सामना फ्रांस के दूसरे नंबर पर काबिज क्रिस्टो पोपोव से होगा। श्रीकांत ने पिछले दौर में शानदार प्रदर्शन किया था, उन्होंने राउंड 16 में कनाडा के दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। लेकिन ली चेक के खिलाफ उन्हें लंबे समय तक मुकाबले में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब पहले गेम के बीच में उन्होंने अपनी बढ़त और लय गंवा दी।

शुरुआती बढ़त बनाने के बाद गंवाई लय

श्रीकांत ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन ली चेक ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली। हांगकांग के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर छह अंकों की शानदार बढ़त बनाते हुए स्कोर 14-6 कर दिया। श्रीकांत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर काफी बड़ा हो चुका था। ली चेक ने धैर्य बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में मुकाबला काफी कड़ा रहा। श्रीकांत ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन ली चेक ने लगातार अंक हासिल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद रैलियां लंबी होती गईं और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर बेहद कम रहा। बढ़त कई बार बदली और दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए 15-15 तक पहुंच गए।

जब ऐसा लगा कि श्रीकांत जीत के करीब पहुंच रहे हैं, तभी ली चेक ने अपनी गति बढ़ा दी। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर 18-15 की बढ़त बना ली और इसके बाद तीन और अंक लगातार जीतकर मुकाबला सीधे गेम में समाप्त कर दिया। 30 वर्षीय ली चेक ने मई में सिंगापुर ओपन में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को हराया था।

अनाहत सिंह पहुंची क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। महिला विश्व नंबर 20 अनाहत सिंह ने बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत ने 1,44,000 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे दौर में आठवीं सीड गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला, जो टूर पर दोनों के बीच पहली भिड़ंत थी।18 वर्षीय अनाहत सिंह 2021 के बाद पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर 8 सीड गिलिस को हराया, जो पिछले साल लंदन क्लासिक के फाइनल में पहुंची थीं। 'एली पैली' में मौजूद दर्शकों को कई जबरदस्त रैलियां देखने को मिलीं। अनाहत ने पहला गेम जीता, लेकिन वापसी करती गिलिस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अनाहत अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के पिछले हिस्से में रखने और 'टी' (कोर्ट का केंद्र) पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहीं। साथ ही, उन्होंने फ्रंट कॉर्नर पर सटीक शॉट खेलकर जीत हासिल की। अगले राउंड में अनाहत का मुकाबला 2024 की विनर शिवसंगरी सुब्रमण्यम से होगा, जिन्होंने नार्डिन गारस को हराया था।

मलयेशियाई खिलाड़ी ने दो साल पहले इसी वेन्यू पर अपना सबसे बड़ा खिताब जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 हानिया अल हम्मामी, आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर अल शेरबिनी और बेल्जियम की नेले गिलिस को हराया था और 11-5 से दो जीत के बाद, उनके एक बार फिर टूर्नामेंट में आगे तक जाने की अच्छी उम्मीद है। अनाहत सिंह और शिवसंगरी सुब्रमण्यम के बीच होने वाला मुकाबला यह संकेत दे सकता है कि एशियन गेम्स में क्या उम्मीद की जा सकती है, जहां स्क्वाश के पहले ओलंपियन तय किए जाएंगे।

भारत ने हांगकांग चीन पर दर्ज की एकतरफा जीत

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन

भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

स्मृति ने ठोका शानदार शतक मिताली का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा । उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था । इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है । उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं । उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा ।मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे । वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली । अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं । इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स । महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं । इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की ।

एशियाई खेल

निशानेबाज मनु भाकर ने मांगा था पिता का सहारा, पर नहीं मिली मंजूरी सिंधू को फिजियो का मिला साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेलों में पीवी सिंधू की फिजियो हीरा तो पहलवानों को तीन विदेशी प्रशिक्षकों को खेल मंत्रालय और साई के हस्तक्षेप पर अंतिम क्षणों में एशियाड के दल में जगह मिली है। कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं निशानेबाज मनु भाकर की पिता रामकिशन भाकर का सहारा देने की मांग को मंजूरी नहीं दी गई है।77 सदस्यीय एथलेटिक्स दल का सपोर्ट स्टाफ भी 23 से बढ़कर 31 हो गया। 244 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ, 33 फिजियोथेरेपिस्ट, 22 डॉक्टर, वीडियो एनालिस्ट, 10 मालिशिए व तीन साइकोलॉजिस्ट हैं। टेटे खिलाड़ी सुतीर्था मुखर्जी, लांग जंपर शाहनवाज खान, एंसी सोजन खिलाड़ियों की मांग पर उनके निजी प्रशिक्षकों को भी अंतिम क्षणों में जगह मिली है।

जापानी कोच होंगी पहलवानों के साथ

पीवी सिंधू ने एशियाई खेलों में अपनी फिजियो हीरा मुंदलुरु को ले जाने की गुहार लगाई थी । बैडमिंटन महासंघ ने नाम नहीं भेजा था, पर साई ने सिंधू की गुहार मान ली । कुश्ती महासंघ ने महिला विदेशी कोच जापान की कोसेई अकाइशी, ग्रीको रोमन कोच रूस के गोगी कोगुआशविली, फ्रीस्टाइल कोच शाको बेंटिनिडिस का नाम शामिल नहीं किया था, पर अब ये सूची में हैं । टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन, सिंड्रेला दास और सुतीर्था मुखर्जी ने निजी कोच सौम्यदीप रॉय का साथ मांगा था । इसे मंजूर कर लिया गया । शाहनवाज के कोच भूपिंदर सिंह और एंसी सोजन के कोच अनूप जोसेफ को भी दल में जगह मिली है ।जसपाल के निधन के बाद पहले बड़े टूर्नामेंट में उतर रहीं मनु भाकर मानसिक मजबूती के लिए पिता का साथ चाहती थीं । आईओए ने रामकिशन भाकर का नाम उनके निजी कोच के रूप में रखा, जिसे मंत्रालय व साई ने खारिज कर दिया ।

अभिषेक शर्मा का जन्मदिन

चार साल की उम्र में थामा बल्ला, सपना किया साकार

युवराज के मार्गदर्शन में निखरा खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिषेक की गिनती विश्व के सबसे तूफानी सलामी बल्लेबाजों में की जाती है। महज 25 साल की उम्र में ही अभिषेक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। अभिषेक के पिता राजकुमार शर्मा खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे। यही वजह थी कि शुरुआत से ही घर में क्रिकेट से जुड़े उपकरण हमेशा मौजूद रहे।

पिता को देखकर अभिषेक को भी क्रिकेट से धीरे-धीरे लगाव होने लगा। महज चार साल की उम्र में अभिषेक अपने पिता का बल्ला उठाने का प्रयास किया करते थे, जिसके बाद उनके लिए पिता एक प्लास्टिक का बैट लेकर आए। बचपन में ही अभिषेक खूब अभ्यास किया करते थे। वह अपनी मां-बहनों से खुद को गेंदबाजी करने के लिए कहा करते थे। अभिषेक ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया। अभिषेक के पिता भारत के लिए नहीं खेल सके, लेकिन वह चाहते थे कि उनका बेटा टीम इंडिया की जर्सी में जरूर खेले। पिता के सपने को अभिषेक ने अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।

2017 में प्रथम श्रेणी में किया डेब्यू

महज 16 साल की उम्र में पंजाब की ओर से खेलते हुए अंडर-16 स्तर पर अभिषेक ने एक सीजन में 1200 रन बनाए और 57 विकेट निकालने में भी सफल रहे, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई का नमन पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद अभिषेक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2017 में उन्होंने पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। अभिषेक साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।अभिषेक का करियर और जिंदगी तब बदली, जब वह भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की शरण में पहुंचे। युवराज के मार्गदर्शन में अभिषेक का खेल दिन-प्रतिदिन निखरता गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खूब सुर्खियां बटोरी। उन्होंने इस सीजन 204 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बनाए। इसी साल अभिषेक को टीम इंडिया की ओर से पहली बार बुलावा भी आया। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने करियर के दूसरे ही मैच में तूफानी शतक लगाया और हर किसी को अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया।